राजस्थानी साहित्यकार-परिचय-कोस

[राजस्थानी भासा, साहित्य अर संस्क्रति रा क्षेत्रां में काम करणियां साहित्यकारां अर वांरी रचनावां बाबत जाणकारी]

भाग दो

संग्राहक अर संपादक

रावत सारस्वत

प्रकासक

राजस्थानी भासा साहित्य संगम (अकादमी)

प्रकाशक :

राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी)
बीकानेर—३३४००१

©

पलो सस्करण :

बरस १६८२-८३

मोल : पंद्रै रुपिया
रु० : १५)

मुद्रक :—

हिन्दुस्तान प्रिंटर्स
कुचीलपुरा, बीकानेर—३३४००१

प्रकाशकीय

राजस्थानी साहित्यकार परिचय कोस रो पं'लो भाग सन् १९७४ में छप्यो। इण पं'लै भाग री राजस्थानी साहित्यकारां घणी सराहना करी पण सागै ई राजस्थानी आंचलिक समारोहां, चर्चावां, परिचर्चावां में आ बात भी सामै आई कै पं'लै भाग में घणकरा राजस्थानी साहित्यकारां रा परिचय छूटग्या अर सागै ई कई नूवा राजस्थानी साहित्यकार भी सामै आया। इण दोन्यू कम्यां री पूरती खातर संगम कार्य समिति ओ निरणै कियो कै राजस्थानी साहित्यकार परिचै कोस रो दूजो भाग तैयार करायो जावै। ओ काम भी पं'लै भाग रा संपादक श्री रावत सारस्वत नै सूंप्यो। श्री रावत सारस्वत लगभग तीन बरसां री मैंनत, निष्टा अर सूझबूझ सूं इण कोस नै त्यार करयो। राजस्थानी भासा साहित्य संगम री कार्य समिति री अक्टूबर १९८१ री बैठक इण कोस री महत्ता नै देखता थकां छापणै रो निर्णय दियो।

इण कोस नै मुद्रणालय मे देणै सूं पं'ला ओ भी प्रयास करयो गयो कै जिके साहित्यकारा रो परिचै अजे तांई नही आयो हैं, उण रो परिचै मंगायो जावै। इण खातर संगम कार्यालय सूं एक विग्यप्ति भी निकाली गई। कई साहित्यकारा रा परिचै कार्यालय मे आया अर बाद मे कोस छापण सारू दियो गयो।

घणै हरख री बात है कै राजस्थानी भासा अर साहित्य री हर विधा मे लिखण आळा एक सो इक्यानवैं साहित्यकारां रो परिचै इण कोस मे छप्यो है अर एक सौ सत्ताइस साहित्यकारा री सूची भी परिशिष्ट रूप मे छपी है।

फेरूं भी जिके साहित्यकारां रो परिचै इण कोस मे नी छप्यो है वे संगम कार्यालय मे आपरो परिचै भेजै जिण सूं तीजो भाग निकाळन री योजना बण सकै।

डॉ० रामकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'
उपसचिव
राजस्थानी भाषा साहित्य संगम
(अकादमी) बीकानेर

" इण कोस बाबत "

राजस्थानी भाषा साहित्य संगम, बीकानेर री स्थापना रै बाद स्रो जरूरी समझ्यो गयो कै राजस्थानी साहित्यकारां रो परिचय-कोस तैयार करवा'र छाप्यो जावै। संगम इयैं कोस री तैयारी रो काम श्री रावत जी सारस्वत नैं सूंप्यो। पैलो भाग सन् १९७४ मे छप्यो। पण फेरूं भी आ बात ध्यान मे आयी कै घणा लोगां रा नाम छूटग्या। इयैं वास्तै दूजो भाग त्यार करण रो काम भी श्री सारस्वत जी नैं ही सूंप्यो। उणां नैं इयैं दूजै भाग नैं त्यार करण में जकी कठिनाया आयी, बै आपरै सम्पादकीय मे लिखी है। १६१ राजस्थानी साहित्य-कारां रै परिचय रै अलावा दूजै भाग मे १२७ सूं ऊपर लोगां रा परिशिष्ट में खाली नाम दिया है।

परिचय-कोस रो दूजो भाग आपरै सामनै राखतां मनैं घणी खुशी है। स्रो जियां भी श्री सारस्वत जी त्यार करयो, बियां को बियां आपरै नजर है। म्हारी दृष्टि मे स्रोजूं ताणी घणा नुवां साहित्यकार बाकी हैं जका रो परिचय राजस्थानी मे आणो चाइजै। श्री रावत जी तो आयन्दा इसो काम नी करण रो फैसलो कर लियो है इयैं वास्तै संगम नैं तीजो भाग त्यार करण रो काम कोई दूजै विद्वान नैं सूंप'र नयो कोस त्यार करवाणो चाइजै।

लारलै बरस राजस्थानी आंचळिक समारोहा मे जाणै रो मौको मिलयो। "जागती जोत" रो सम्पादन रो काम भी म्हारै जिम्मे आयो। मनैं आ देख'र बडी खुशी होई कै राजस्थानी मे नया हस्ताक्षरा री संख्या बडी तेजी सूं बढ रयी है अर राजस्थानी रो साहित्य समृद्ध बणाणै रै साथै साथै ऐ लेखक भाषा नैं नया विषय, नयी व्यञ्जना, नया तेवर अर नया शिल्प दे रह्या है। मैं राज-स्थानी रै ऊजळै भविष्य रै बारै मे पूरो आश्वस्त हो'र आ आस राखूं कै राज-स्थानी साहित्यकारा रै परिचय-कोस रो तीजो भाग जल्दी ही आपरै सामनै नयै रूप में आसी।

चन्द्रदान चारण

सभापति

राजस्थानी भाषा साहित्य संगम

बीकानेर

इण कोस रो पैलो भाग सन् १९७४ में छप्यो हो। उण मे २३२ साहित्यकारां रा परिचय छप्या हा। उण कोस में भी कोसीस करतां थकां कई मोटा साहित्यकारां री जाणकारी नी दी जा सकी। लारला चार-छः बरसां में राजस्थानी में लिखणियां लोगां री खास बढोतरी हुई। उणरो एक कारण तो ओ रैयो कै शिक्षा विभाग रा संकळनां में शिक्षकां मे सूं घणां इसा नांव सामै आया जिका बाबत जाणकारी री कोई दूजो सरल उपाय कोनी हो। दूजी बात या भी कै जागती जोत अर दूजी पत्रिकावां में नया लिखारां नै छपण रा घणा मौका मिल्या। सम्मेलनां—समारोहां में भी नया लिखारां सूं परिचय हूवता रैया। यां सब भेळा कारणां सूं राजस्थानी में लिखणियां री तादाद खासा बढगी अर यो जरूरी समझ्यो गयो कै कोस रो एक भाग और निकाळ्यो जावै जिण सूं नया लोगां बाबत जाणकारी एक ठोड मिलणै में सुविधा रैवै।

राजस्थानी भाषा-साहित्य संगम (अकादमी) यो भार मनै सूंप्यो, एक कारण यो भी हो सकै कै पहलै भाग रो काम भी म्हारो करयोड़ो हो। दीखण मे तो यो काम घणो मामूली दीखै पण और कामां भेळै इण नै पूरो करण मे भी मनै तीन बरस नेड़ा लागग्या। आप रै सामै म्हारै काम री दिक्कतां राखूं तो ठीक रैसी।

म्हारै कनै सरूपोत मे सूची बणावण रो काम घणो मोटो हो। या सूची पत्र-पत्रिकावां अर संकळनां नै बलत-वखत पर देख'र बणाती तो गयी ही, पण दूजा मित्रां नैं भी बार-बार लिख'र नया नाव सुझावण सारू अरज करणी पड़ी।

इण वास्तै ५०० पोस्टकार्ड छपवाया जिका हरेक ठिकाणै पर भेज्या। यां पोस्टकार्डां मे चाहीजी जाणकारी रो खुलासो छाप्यो हो। आपनै जाण'र अचंभो होसी कै घणखरा लोग जाणकारी भेजण में घणो आळस करयो अर वांनै

तीन-च्यार वार ताई याद दिरावण रो काम करणो पड़्यो। यूं महसूस हुयो जाणै म्हारै कोई बेटी रो ब्याव है अर उण सारू इत्ती सारी मिन्नतां करनी पड री है। निजू कागद देया पछै भी कई लोग आळस तोड़णो ठीक कोनी समझ्यो मो को ही समझ्यो नी। कई भायला तो और कारणां सूं भी सहयोग देणो ठीक कोनी समझ्यो। वा मे सूं कई इसा भी हा जिका कोस-सग्रं रै काम नै घणो हळको अर उण मे वां रै मोटै नाव नै छापणो वांरै सारू अपमानजनक भी लखायो। खैर!

इसी परिस्थितियां में इण सग्रं मे १६१ नेडा नया नांव दिया है। जिका लोग कोई कारण सू जबाब नीं दे पाया वांरी सूची म्हारी जाणकारी मुजब परिशिष्ट रूप में दे दी है जिण सूं लोक वा सूं लिखा-पढी कर'र जाणकारी मगा सकै।

याकै अलावा भी लारलै साल-दोसाल रै अरसै मे २५-५० नांव और भी साम्है आया होसी। इसा नाव भी रैयग्या होसी जिका मोटा लिखारा नी हैं। वारी जाणकारी दुरभाग सूं मनै नी हो पाई।

इण सग्रं मे मनै जिकी सेचळ हुई अर 'जागती जोत' अर 'मधुमती' रा पाना मे विग्यापन री जगा रो मोल मिला'र जित्ती कीमत बैठी, उण नै देखता आगै सारू इसै काम मे हाथ नी गेरण रो म्हारा निजू फैसलो करणो पड्यो है।

एक बात और। एक सवाल उठै कै साहित्यकार कुण अर किण री जाणकारी दी जावै, किण री नी? इण बाबत म्हारी धारणा बिलकुल साफ है। साहित्यकार री परिभाषा करणी तो सायद कोई रै बूतै री बात कोनी अर नी संभव ही लागै, पण कोस मे जाणकारी मैं वां सब लोगा री देवण री कोसीस करी है जिका सबधित विसयां मे कुछ न कुछ लिख्यो है अर राजस्थानी वास्तै ज्यां रा मना मे दरद है। इण ढग सूं यो कोस एक ठिकाणां री सूची है जिणमें थोड़ी वहोत दूर्जा जाणकारी भी भेळी है।

आज रै जमानै मे हर क्षेत्र मे काम करणिया लोगां नै उण क्षेत्र सूं जुड़ोड़ा लोगां बाबत पूरी जाणकारी हुवै तो काम में आसानी हुवै। इण ख्याल सूं राजस्थानी साहित्यकारां रा दोनूं कोस फायदेमद रहसी तो म्हारी मैनत सफल हुसी।

राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी) राजस्थानी साहित्यकारा री प्रतिनिधि संस्था है। या अकादमी रो रूप लेसी जद भी प्रतिनिधित्व और वेसी होसी। इण वास्तै संगम रा कर्त्ता-धर्त्ता कोसां री जाणकारी नै आगै भी भेळी करता जावै तो काम आवै।

धापना
स० २०३६ वि०

रावत सारस्वत
सपादक

(साहित्यकारां रै परिचै री ओळखाण सारू संकेत सूची)

१. नांव
२ शिक्षा
३. जन्म तिथि
४ जनम स्थान
५. मौजूदा काम धन्धो
६. छप्योड़ी पोथियां
७. पत्र-पत्रिकावां मे छप्योड़ी साहित्यिक रचनावां
८ अरण छपी पोथ्यां
९. दूजी सूचनावां
१० गदीव रो ठिकाणो
११. मौजूदा ठिकाणो

[१]

१. अन्जना चौधरी

२. एम. ए. (हिन्दी)

३. ३१-१०-१६५७ ई.

४. जोधपुर (राजस्थान)

५. पढाई

६. —

७. इतवारी पत्रिका, जागती जोत, हवा महल आद मे छपी

८. —

९. बंगाली परिवार में जलमणं पर भी राजस्थानी संस्कृति सूं घणो लगाव राखै।

१० डी १०, गणेश मार्ग, बापूनगर, जयपुर—३०२००४

११. ऊपर मुजब

[२]

१. अम्बिकादत्त

२. बी ए.

३. २०-६-१६५६ ई.

४. अन्ता (कोटा—राज०)

५. शिक्षा विभाग री सेवा

६. —

७. मधुमति, जागती-जोत, कचनार, इतवारी पत्रिका, मुकन्दरा आद पत्रां में छपी।

८. —

९. प्रबंध संपादक 'कचनार' पत्रिका, प्रचार मंत्री, अणहद लोक मंच, अंता

१०. अंता (कोटा—राज०)

११. ऊपर मुजब

[३]

१. अनोणदान वारहठ

२. चैत वदी २, सं० १९७८ वि. (१९२१ ई)

३. परंपरागत काव्य-शिक्षा

४ पो० झिणकली (शिव—बाडमेर—राज०)

५. खेती

६. आईनाथ री कथा (काव्य)

महाराजा उम्मेद उदारता रूपक (काव्य)

७ —

८. हरिरस रो रस, भक्तिगीत धारा, वीर वचनावली, दोहासंग्रे आद

९ —

१० पो. झिणकली (शिव—बाडमेर)

११. ऊपर मुजब

[४]

१. अर्जुन 'अरविन्द'

२. आँनर्स

३. २२-६-१९४३ ई.

४. टोंक

५. अध्यापन

६. हिन्दी मे उपन्यास अर बालपोथी छपी

७. हरावल, जागती जोत आद पत्रां में अर शिक्षा विभाग री पोथियां—बारखड़ी, चेतंरा चितराम, लखाए में छपी।

८ 'आभर रो उबाळ' (कवितावां)

९. —

१०. काळी पळटन रोड, टोंक (राजस्थान)

११. ऊपर मुजब

[५]

१. अर्जुनसिंह शेखावत

२. एम० ए० (हिन्दी); बी० एड०; साहित्यरत्न;
आयुर्वेद रत्न; वैद्याचार्य; आर० एम० जी०

३ ५—२—१९३४ ई०

४ भादरलाऊ (सोमेसर पाली वाया मारवाड़ जंक्शन)

५ अध्यापन

६ बयार एक हलकीसी १९५७

७. लोक साहित्य अर संस्कृति पर लेख पत्र-पत्रिकावां मे छप्या अर आकाश-
वाणी सूं प्रसारित हुया

८ फुटकर रचनावां लेख, कहाणी

९. गिरासिया संस्कृति पर सोध करै

१०. पो० खीमेल (वायारानी-पाली राज०)

११ राजकीय उ० प्रा० विद्यालय, घणी (खीमेल पाली राज०)

[६]

१. अशोक कुमार दवे

२. एम० ए०, एल. एल. बी०

३ ३१-१०-१९४९ ई०

४. बम्बई

५. अध्ययन

६. —

७. तरुण राजस्थान, जोधपुर; अग्रदूत, जयपुर, झुणझुणियो, बीकानेर;
अपरंच, जोधपुर, जागती जोत, बीकानेर (कवितावां, लेख)

८. —

९. राजस्थानी युवा साहित्कार परिषद, जोधपुर अर 'चर्चा' जोधपुर सूं
संबद्ध. हिन्दी में भी कहाणी, कविता, लेख लिखै

१० अशोक कुमार दवे, प्रथम बी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर—३४२००३

११. ऊपर मुजब

[७]

१. ग्रानंदप्रिय

२ बी. कॉम.

३. १५-८-१९४० ई.

४. जोधपुर

५. राज्य सेवा

६. —

७ जागती जोत, अपरंच, ललकार, अभयदूत आद में छपी

८ 'म्रावर आपरा' (कवितावां)

९ 'मिवाणी,' जोधपुर, 'कलानि,' जोधपुर ग्रर 'बिम्ब', जोधपुर सूं जुड़ेड़ा

१० पीपळी महादेव री पोळ मे चित्रा सिनेमा कनै जोधपुर—३४२००७

११ ऊपर मुजब

[८]

१. ग्राईदानसिह भाटी

२. एम ए. (हिन्दी)

३. १०-१२ १९५२ ई.

४. नोख (जैसलमेर—राजस्थान)

५. ग्रध्ययन (सोध छात्र)

६. —

७. हेलो, राजस्थनी, जागती जोत, अपरंच, राष्ट्रपताका आद पत्रिकावां मे छपी

८. 'हंसतोड़ा होठा रो सांच' (कविता संग्रे) 'मूंज जमारो इतरो क्यूं कर' (गजलां)

९. 'चर्चा' नाव री साहित्यिक सस्था सूं संबद्ध

१०. गांव पो नोख (जैसलमेर—राजस्थान)

११. प्रधान डाक घर, जोधपुर (राजस्थान)

[९]

१. इन्दर आडवा (इन्द्रसिंह सिसोदिया)

२. एम० ए० (अंग्रेजी); बी० एड०

३. २६-१२-१९४२ ई०

४. जोधपुर

५. अध्यापन

६. —

७. संघ शक्ति, राजस्थान विकास, जलमभोम, लाडेसर नावरा पत्रां अर शिक्षा विभागरी पोथ्यां चेतेरा चितराम, सताण-मे कहाण्यां, कवितावां छपी

८. —

९. अखिल भारतीय समूह गान प्रतियोगिता मे पैलो इनाम

१०. पी० आडवा (वाया मारवाड़ जंक्शन) जिला पाली राज० ३०६०२१

११. ऊपर मुजब

[१०]

१. डॉ० इन्द्र कुमार शर्मा

२. एम० ए०, डी लिट्

३. १-१-१९३२ ई०

४ शामली (उ० प्र०)

५ अंग्रेजी प्राध्यापक, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

६. "शिफ्ट सैंडड्यून्स" नांव री अंग्रेजी कविता पोथी १९७६-20/-"कन्टेम्परेरी राजस्थानी पोयट्री नांव सूं राजस्थानी कवितावां रो अनुवाद पोथी-राज० भाषा साहित्य सगम १९७६, ४०/-

७. अंग्रेजी पत्रा इण्डियन लिटरेचर, पोयट अर जागती जोत में छापी।

८. अंग्रेजी, हिन्दी रा काव्य संकलन

९ उपाध्यक्ष राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

भू पू. सदस्य राजस्थान साहित्य अकादमी, संचालिका समिति, उदयपुर फंड, इण्डियन पी. ई एन. अन्तराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता मे पैलो स्थान। स्वर्णपदक अर प्रमाण पत्र मिल्यो। वर्ल्ड पोयट्स मीट सैन फ्रांसिस को १९८१ में गया।

१०. सी./१४१, दयानन्द मार्ग, तिलक नगर ३०२ ००४

११. ऊपर मुजब

[११]

१. इन्द्राज ढाका

२. एम. ए. (राजनीति शास्त्र); बी एड.

३. ५-७-१६४४ ई.

४. फेफाना (नोहर—गंगानगर—राजस्थान)

५. अध्यापन

६. —

७. शिक्षा विभागीय संकळनां अर पत्रां में छपी

८. फुटकर रचनावां

९. —

१०. फेफाणा (नोहर—गंगानगर—राजस्थान)

११. राज. उ. मा. विद्यालय, फेफाना (गंगानगर—राज०)

[१२]

१. उदय नागोरी

२. बी ए, जैन सिद्धांत प्रभाकर

३. १४-३-१६४० ई.

४. बडी सादडी (चित्तोड़गढ़—राज०)

५. राजस्थान नहर परियोजना, लेखा विभाग, बीकानेर री सेवा

६. —

७. रंगयोग, लोककला, रंगायन, जागती-जोत, सेनानी अर पत्रां में छपी, कई अभिनन्दन ग्रन्थां में भी छपी

८. —

९. कई प्रतियोगितावां में पुरस्कृत

१०. द्वारा श्री हनुमान जी नागोरी. ब्रह्मपुरा, पो. बड़ीसादडी (राज०)

११. सेठिया जैन ग्रंथालय मारोठी मोहल्ला, बीकानेर

[१३]

१. ए. वी., 'कमल' (अब्दुल वहीद 'कमल')
२. एम, ए. बी, एड,
३. १७-४-१९३६ ई.
४. गाव नारसरा (सरदारशहर-चूरू-राज,)
५. अध्यापन
६. —
७. कहाण्या अर कवितावां अनेक पत्रिकावा मे छपी
८. माटी रा मोती' कहाण्यां
'मिनख मानखो' (कवितावां)
'अमूजो' (नाटक)
९. आकाशवाणी सूं रचनावां रो प्रसारण
१०. नेहरू चौक, शीतळा गेट बीकानेर (राज,)
११. राज. सादुळ उ. मा. विद्यालय, बीकानेर

[१४]

१. ओमदत्त जोशी
२. एम. ए. बी. एड.
३. १३, १२, १९३८ ई.
४. मसूदा (अजमेर राज,)
५. अध्यापना
६. हिन्दी मे 'सरस बाल कथाएं' नांव री पोथी
७. शिक्षा विभाग री पोथ्यां-चेतेरा चितराम अर सखाएं-में तथा शिविरा अर दूजा पत्रां मे छपी
८. 'पाणी पीज्ये छांण' (उपन्यास)
९. —
१०. साहित्य सदन, मसूदा (अजमेर राज,)
११ राजकीय माध्यमिक विद्यालय बापमूरी (अजमेर राज,)

[१५]

१. ओमप्रकाश थानवी

२. एम, ए,

३. १-८-१९५७ ई.

४. फलोदी (जोधपुर)

५. अध्ययन

६. —

७ अनेक छापा में छपी

८ कवितावां रो संग्रै अर नाटक

९ —

१०. लफाफो (जोधपुर)

११. म्युनिसिपल बोर्ड रै सामी, बीकानेर-३३४००१

[१६]

१. ओमप्रकाश पुरोहित 'कागद'

२ बी. ए.

३. ५-७-१९५७ ई

४. केसरीसिंह पुर (श्री गंगानगर-राज,)

५ पत्रकारिता

६. —

७ हिन्दी अर राजस्थानी कवितावां अनेक पत्र पत्रिकावां में छपी

८. 'कागद' (काव्य)

९ सहसंपादक 'शाश्वत सत्य' साप्ताहिक, श्री गंगानगर

१०. तेजभवन, केसरीसिंहपुर (श्री गंगानगर) ३३५२०७

११. ऊपर मुजब

[१७]

१. ओम प्रकाश गर्ग मधुप

२. टी. डी. सी. (प्रथम वर्ष) वाणिज्य

३. २३.६.१९३९ ई.

४. बाडमेर (राज.)

५. राजस्व विभाग, लेखा शाखा री सेवा

६. —

७. राजस्थान विकास, जागती जोत, मरु भारती, राष्ट्र दूत, चिदम्बरा, चेतन प्रहरी आद अनेक पत्रां अर संकलना मे कविता, कहाणी, लेख, नाटक छपता रैवे

८. उणियारो (कवितावां), ओकूं'री ओलियां (कवितावा) रै अलावा हिन्दी रो प्रबंध काव्य, नाटक, कहाणी सग्रै

९. अध्यक्ष, बाडमेर साहित्य संस्थान, बाड़मेर संकेत रा सपादक आकासवाणी सूं वार्तावां प्रसारित

१०. ८८ अग्रवाल भवन मार्ग, बाडमेर ३४४००१

११. आयुर्वेद असपताल रै ऊपर पवपरानगर–३४४००१ (बाड़मेर)

] १८]

१. ओम सोनी 'मधुर'

२. द्वितीय वर्ष वाणिज्य

३. १-७-१९६० ई.

४. मंता (कोटा–राज.

५. पढाई

६. —

७. कचनार, तवर, जागती जोत आद मे छपी

८. बहलो (गीत) जिंदगाणी (गीत)

९. —

१०. प्रेम चंदनी सोनी मता (कोटा राज.) ३२५२०२

११. ऊपर मुजब

[१९]

१. कन्हैयालाल दूगड़ 'लाल कन्हैया'

२. साधारण

३. माघ सुदी १४, सं. १९७८ वि. (१९२१ ई.)

४ सरदारशहर

५. गांधी विद्यामंदिर अर दूजी सार्वजनिक संस्थावां री संचालन

६. पूंछ मूंछ री मुलाकात, जैन आदर्श १९६७ निःशुल्क

गीतां री गुंजार	ज. हि. ग्रन्थास १९६८		५/—
मोमलहरी	,,	१९६९	१/—
विचार बावनी	,,	१९६९	१/—
आदर्श बालक	गां. वि. मं.	—	प्रचारार्थ
बजरंगबली करमली	ग. हि. ग्रन्थास	१९८०	३/४०

७ —

८. राम रिझावणी, गाय व गोपाल, सुरंगो सासरियो, बमभोळै री बरात, भगवन क्यूं

९. सरदारशहर में शिक्षा अर चरित्र-निर्माण री ज्योत जगावणिया धुन रा धणी अर दानवीर

१०. सुमेरु सदन, पो. सरदारशहर (चूरू—राज०)

११. ऊपर मुजब

[२०]

१. कल्याण गौतम

२. एम. ए., बी. एड., साहित्य रत्न

३. २-९-१९३९ ई

४. गांव मनवास (दौसा—जयपुर—राजस्थान)

५. प्रधानाध्यापक, राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, साखंडा (नोखा-बीकानेर)

६. चिंव बांधव रै भेस—खंड काव्य-आनंद गौतम-१९७८ ८/-

७. कथालोक, राजस्थली, जागती जोत आद में कवितावां, कथावां छपी। शिक्षा विभाग रा संकलनां में भी छपी।

८. कुंती (खण्ड काव्य), कहाणी-संग्रै

९. आकाशवाणी सूं रचनावां प्रसारित करै

१०. डिंगळ साहित्य सदन, ३२/४६८, चौतीणो कूवो, बीकानेर (राज.)

११. राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, साखंडा (नोखा—बीकानेर)

[२१]

१. किशनलाल पारीक

२. एम. ए. (हिन्दी); बी. एड.

३. १५-३-१६३२ ई.

४. सरदारशहर (चूरू—राज.)

५. अध्यापन

६. —

७. ओळमो, युगचरण, जीवन आद छापां मे रचनावां छपी

८. 'कूंपळ' कविता संग्रे

६ —

१०. मीणां रै कूअै रै पास, पो. सरदारशहर (चूरू-राज.)

११ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सरदारशहर (चूरू)

[२२]

१. कृष्णकुमार कौशिक

२ बी. ए., बी. एड., एच. डब्ल्यू. डी (स्काउट)

३. २४-६-१६४० ई.

४. सूरतगढ़ (श्री गगानगर—राज.)

५. अध्यापन

६. हिन्दी में किसोर कथावां अर व्याकरण री पोथी छापी

७. शिक्षा विभागीय सकलन 'चेतै रा चितराम' अर पत्रा मे रचनावां छपी

८. "कौशिक की कहाणियां" भाग ।

६. 'भारत सावित्री' में तृतीय पुरस्कार प्राप्त

१०. कौशिक कुटीर, फेफाणा (नोहर—गंगानगर-राज०) ३३५५२३

११. राज० माध्यमिक विद्यालय, जसाना (नोहर-गगानगर—राज०)

[२३]

१. कैलाश 'मनहर'

२. एम. ए. (समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र)

३. २-४-१९५४ ई०

४. मनोहरपुर (जयपुर, राज०)

५. अध्यापन

६. —'सपनो के आस-पास' (गजल) हिन्दी पोथी

७. राजस्थली, राजस्थान पत्रिका, पत्रा मे अर शिक्षा विभागीय पोथियां—'कोरणी कलमरी' अर 'अंतस रा आखर'—मे छपी

८. —देहातिका सस्थान,

९. बीकानेर री पत्रिका 'छकियारी' सूं आंचलिक कहाणी पर एक हजार रो पुरस्कार मिल्यो।

१०. सयोजक 'आस पास' नाव री साहित्यिक संस्था।
स्वामी मोहल्ला, मनोहरपुर, (जयपुर)

११. रा. उच्च प्राथमिक विद्यालय,
किशनगढ (ज स शाहपुरा जयपुर)

[२४]

१. कोमल कोठारी

२ एम ए. (हिन्दी), नेहरू फेलो

३. ४-३-१९२९ ई०

४. कपासन (चित्तोडगड-राज०)

५. निदेशक, रूपायन संस्थान, बोरूंदा (वाया पीपाड़ जोधपुर)

६. साहित्य, संगीत और कला—रूपायन सस्थान बोरूंदा ४-००
मोनोग्राम ओन लंगा १०-००

७. लोक संस्कृति, मरवाणि आद पत्रां में छपी

८. "राजस्थान के लोक वाद्य"

९. लोक संस्कृति रै पारखी रै रूप में देस विदेस घूमपोडा।
साहित्य अकादमी, दिल्ली रै राजस्थानी परामर्श मंडल रा सदस्य

१०. पावटा, मीर रोड, जोधपुर

११. रूपायन संस्थान, बोरूंदा-३४२६०४

[२५]

१. कंवळ उणियार

२. बी. ए.

३. १८-३-१९५५ ई.

४. जोधपुर

५. पढाई

६. —

७. हरावळ, हेलो, मरुवाणी आद में छपी

८. 'हिरयारो म्हैं हूं" अर "बींरो रहस", उपन्यास

९ हिन्दी में भी लिखै

१०. साधना साहित्य सदन, ४४ जसवंत सराय जोधपुर (राज०)

११. ऊपर मुजब

[२६]

१. कौशल किशोर भाटी

२. एम. ए. (हिन्दी, अर्थ शास्त्र), एल. एल. बी.

३ ६-१०-१९४८ ई

४. जयपुर

५. विद्यालय-सेवा

६. —

७. कादम्बिनी आद पत्रां मे

८. राजस्थानी व्याकरण

९. आकाशवाणी सूं रचनावां रो प्रसारण, स्मारिकावां रो संपादन

१०. ५६२, भाटी भवन, सादुलसिंह की नाळ, चौकड़ी सरहद, जयपुर-३०२००१

११. ऊपर मुजब

[२७]

१. खिज्रो सुधांशु
२. एम. ए. (दर्शन)
३. ९-१०-१९५१ ई.
४. बीकानेर
५. राजकीय सेवा
६ —
७ जागती जोत मे कवितावां
८. —
९. हिन्दी मे भी लिखै
१०. डा. घनपतराय मार्ग, बीकानेर ३३४००१
११. ऊपर मुजब

] २८]

१. खुशालनाथ स्वामी, 'घोर'
२. उच्च माध्यमिक कक्षा
३. ७-८-१९४० ई.
४. बाडमेर (राज०)
५ लेखाकार, जिलाधीश कार्यालय, बाडमेर
६. हास्यावतार, अफसर, मैं बाडमेर हूं, लक्षित-अलक्षित, प्रथम पराग आद राजस्थानी-हिन्दी पोथ्या छपी
७. आकाशवाणी सूं अर पत्र-पत्रिकावा मे बड़ी तादाद मे कवितावां, लेख, कहाण्या अर बातां छपी अर प्रसारित हुई ।
८. आओ पोथी पढो (प्रौढा सारू गद्य) अर छः दूजी हिन्दी पोथ्या
९. महामत्री, बाडमेर साहित्य संस्थान, बाडमेर, उदयपुर री संस्था 'सृजन मंच, बड़ी' सूं 'लोकमान' री उपाधि, अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद् सूं संबद्ध, संपादक, 'संकेत' ।
१० कल्याणपुरा मार्ग, गल्या ४, बाड़मेर–३४४००१
११. ऊपर मुजब

[२६]

१. गंगासिंह चौहान

२. एम. बी. बी. एस., एम. डी.

३. २०-३-१६३८ ई.

४. जोधपुर

५. सरकारी डाक्टर

६. —

७. संकळनां मे कवितावा अर समीक्षा छपी

८. कवितावा रो संग्रै

६ सामाजिक सेवा मे घणो काम करयो । चिकित्सा संबंधी सोध निबंध सारू पुरस्कृत

१०. पीवळी चौक, नागौरी मोहल्ला, जोधपुर (राज०)

११. कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसिन) राजकीय चिकित्सालय, जालोर

[३०]

१. गणेसमल बाफणा

२. हिन्दी प्रभाकर

३. आसोज सुदी १० वि सं. १६७७ (१६२० ई.)

४. रतनगढ (चूरू—राज०)

५. एलोपैथिक चिकित्सक

६. सं० २००४ (१६४७ ई.) मे एक हिन्दी पोथी छापी

७. लेख अर कवितावां दीपक, मीरां, सुकवि, राजस्थानी [illegible] पत्रां में छपी

८. —

६ 'राजस्थानी गौरव' नांव रै मासिक पत्र रो संपादन

१०. पो० रतनगढ़ (चूरू—राज०)

११. डा० गणेशमल बाफणा (जैन) पो० [illegible] ([illegible]) [illegible]

[३१]

१. गिरधारीलाल मालव

२. बी. ए., बी. एड.

३ १७-४-१६३६ ई.

४ गांव वरसेडा (अंता—कोटा—राज०)

५ अध्यापन

६. ऊघण नीरी राजहंमणी-१६७६-अणहद-काव्य-१०/लोकमंच अंता

७. कचनार, चामळ, जागती जोत आद सगळी पत्रिकावां में ही छपी

८. —

९ 'कचनार' मे सपादन सहयोग

१० रमाकुटीर पो. वरसेडा (अंता—कोटा—राजस्थान)

११ ऊपर मुजब

[३२]

१. गिरधारी सिंह राजावत

२ बी ए., बी. एड.

३. १६-६-१६५१ ई.

४. चितावा (नागौर—राज०)

५ अध्यापन

६. —

७. संघशक्ति, वानर, जागती जोत आद पत्रा मे अर शिक्षा विभागीय संकलन तलाश १६७८, चेते रा चितराम १६७७ आद मे छपी

८. —

९ आकाशवाणी सूं रचनावां प्रसारित

१०. ठि० जतनसिंह राजावत, पो० चितावा (वाया कुचामन सिटी—राज०)

११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पो० बोरावड़ (नागौर)

[३३]

१. गिरिधरलाल शास्त्री

२. साहित्य शास्त्री, व्याकरण मध्यमा

३. २-४-१८६४ ई.

४. —

५. राज री सेवा सूं निवृत्त

६ प्रणवीर प्रताप (नाटक), मेघदूत, मालविकाग्नि मित्र (अनुवाद), उमर-खय्याम, गंगालहरी, करुणा लहरी, मोहरी मोगरी, दुर्गा सप्तशती, सत्य-नारायण कथा, मनसा महादेव री बात (सगळी राजस्थानी)। संस्कृत अर हिन्दी में भी ऊंचै दरजै री पोथियां छापी

७. अनेक पत्र-पत्रिकावां मे छपी

८ श्रीमद्भागवत री सरल हिन्दी व्याकरण, रघुवंश रो सिंह-दिलीप संवाद, सरलव्याकरण, खुद रो जीवन चरित्र, कृष्ण चरित्र(१४० श्लोक) काव्य प्रकाश रस प्रकरण, हिन्दी व्याख्या आद अनेक ग्रन्थ पड्या है।

६. स्व० चतुरसिंह जी करणानी रा ग्रंथां रो सपादन, राजस्थान सरकार सूं पुरस्कृत। संस्कृत विद्वान रै रूप में आर्थिक सहायता प्राप्त

१० २२ १२८ व्यासाश्रम, ब्रह्मपोल, उदयपुर (राज०)

११ ऊपर मुजब

[३४]

१. गिरिराज जोशी

२. बी. ए.

३. ४-७-१९५० ई

४. बाड़मेर (राज०)

५. जन संपर्क कार्यालय, बाड़मेर मे काम करै

६. —

७. ५० नैही पत्रिकावां में १५० रै आसपास रचनावां छपी

८ पहाणी मरै

६. महामयी बाड़मेर साहित्य संस्थान, बाड़मेर

१०. जोशियां रो ऊपरलो बास, बाड़मेर—३४४००१ (राज०)

११. ऊपर मुजब

[३५]

१. गुमानसिह देवल

२. एम. ए., एम. एड.

३. १०-८-१६३६ ई.

४. कुंजड़ावास (जोधपुर)

५. अध्यापन

६. —

७. —

८ करणी सतसई, करणी सवैया, पदावळी, विविध भाव सतसई, गांधी चरित सागर, वीर काव्य, देवी काव्य (अनुवाद)

६. —

१०. गांव–कुम्पड़ा वास, पो. ऊंदलियावास (वाया बिनाडा–जोधपुर––राज०)

११. ऊपर मुजब

[३६]

१. गोविंद कल्ला

२. एम ए., बी. एड , आइ ओ. डी., आर. डी. एस., (ऑनर्स), साहित्य विशारद, सगीत प्रभाकर

३. १६-७-१६४० ई.

४. जोधपुर

५. प्रधानाध्यापक, राज. उ. प्रा. विद्यालय, सरदारपुरा, जोधपुर (राज०)

६. —

७. शिक्षा विभागीय संकलन—लखाण १६७६ अर जागती जोत आद पत्रां मे घणी रचनावां छपी

८. "हुंकारा" दुर्गादास राठोड़ (उपन्यास), कविता संग्रै

६. 'कलानि' सस्था सूं 'मच रै नागरी करण' रो अभियान, 'त्रिवाणी' सस्था रा सदस्य, 'कला विहार' रा मच निर्देशक, कार्टूनिस्ट, चितारा, भाठै अर सकड़ी आद री मूरतां बणावै, सगीत, ध्वनि–प्रकाश मे मच री सपूर्ण नाट्यशैली रो अर साहित्य, शिक्षा, कळावां में दूजा प्रयोग करै ।

१०. जालप मोहल्लो, जोधपुर (जयनारायण व्यास कन्या शाला कनै)

११. ऊपर मुजब

[३७]

१. गोविन्द गौड
२. ग्यारवी तांई
३. १७-६-१९४५ ई,
४. लुहारपुरा, पो. सटवड़ (बूंदी—राज०)
५. राजस्थान राज्य विद्युत मंडल री सेवा
६. —
७. कचनार, चामळ, आद पत्रां मे कहाण्यां लेख अर कवितावां (कुल ६० नेड़ी) छपी
८. दो हिन्दी उपन्यास भर एक कविता संग्रै
९. सचिव. साहित्य संगम, रावत भाटा (कोटा) 'हिमस्नेह' पत्रिका रो संपादन
१०. गांव पो. रटावद (बांरा—कोटा—राज०)
११. ८७९, सरदाना निवास, प्रेम भवन के पास, महावीर बाजार, पानीपत (हरियाणा)

[३८]

१. गोविन्दशंकर शर्मा
२. एम. ए., पी. एच. डी.
३. १३-९-१९४६ ई.
४. जयपुर
५. अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, श्री स्व. गो. पारीक महाविद्यालय, जयपुर
६. —
७. राजस्थानी भाषा, साहित्य, भाषा शास्त्र भर समीक्षा संबंधी तीसेक लेख पत्र-पत्रिकावां में छप्या
८. पूर्वी एवं पश्चिमी राजस्थानी का तुलनात्मक अध्ययन, भारतीय आर्य भाषायें एव राजस्थानी, ढूंढाड़ीका भाषा शास्त्रीय अध्ययन, राजस्थानी स्वरूप तथा सरचना, राजस्थानी का वैज्ञानिक व्याकरण
९. सचिव. ढूंढाड़ साहित्य संस्थान, जयपुर, संपादक 'जागती जोत', सचिव, जनपदीय शोध सस्थान, जयपुर
१०. २०/६ सरस्वती कोलोनी, सेंट्रल स्कूल रै सामै, टोंक फाटक, जयपुर
११. १२८६, खातीवाड़ा की गळी, बादरी का नासिक, जयपुर—३०२००२

[३९]

१. घनश्यामलाल राकावत

२. एम. ए., बी. एड

३. २६-६-१९४५ ई.

४. बोरावड़ (नागौर—राज०)

५. अध्यापन

६. —

७. अनेक पत्रां मे छपी

८. मू गा मोती, श्याम सरिता, संकल्प सुमन, कविता सग्रै

९. —

१०. बोरावड़ (रेलवे स्टेशन के पास) (नागौर) ३४१५०२

११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय गच्छीपुरा (नागौर—राज०)

[४०]

१. चन्दू फडिया 'सोनगरा'

२. सैकेन्ड्री ताई

३. १-१-१९५५ ई.

४. वावळवाडा (मेरवाड़ा—उदयपुर)

५. व्योपार

६. —

७. राजस्थान पत्रिका मे हिन्दी अर जागती जोत मे राजस्थानी कहाणी छपी

८. —

९. —

१०. वावळवाडा (मेरवाड़—उदयपुर) ३१३८०६

११. ऊपर मुजब

[४१]

१. चन्द्रकांता सरमा

२. ग्यारवीं कक्षा तांई

३. १४-११-१६५८ ई०

४. —

५. सुतंत्र लेखन

६. —

७. जागती जोत, मोळमो, मधुमति आद पत्रां में छपी

८. —

९. —

१०. सिकन्दरा (जयपुर) ३०३३२६

११. ऊपर मुजब

] ४२]

१. चन्द्रदत्त भावन

२. बी. ए., बी. एड.

३. १३-१-१६०८ ई०

४. जयपुर

५. सेवा निवृत्त अध्यापक, ज्योतिष

६. —

७. आकासवाणी पर कवितावां, वार्तावां अर सम्मेलनां में निबंध पढ़्या

८. महाभारत रा पात्रां रो चरित्र

९. ज्योतिष अर अध्यात्म मे रुचि

१०. १६७३ होळी टीना, पुराणी बस्ती, जयपुर

११. ऊपर मुजब

[४३]

१. चंद्रप्रकाश देवल (चंद्रप्रकाश सिंह)
२. एम. एस. सी. (रसायन)
३. १४-८-१९४९ ई०
४. गोटीणा (वल्लभ नगर—उदयपुर—राज०)
५. ग० ने मेडिकल कॉलेज रै जीव रसायन विभाग में सेवा
६. पगी—देवल प्रकाशण, गोटीणा, काव्य १९७७ १५/-
७. जागती जोत, दीठ, हरावल, इतवारी पत्रिका आद में कवितावां अर कहाणियां छपी
८. "मीतर म्हारो गांम मरै क्यूं नी" (कविता-सग्रं)
९. साहित्य प्रकादमी, दिल्ली सूं 'पागी' पोथी पुरस्कृत
१०. गांव गोटी सर, पो. पूरियाखेड़ी (वाया मावली ज०—उदयपुर—राज०)
११. जीव रसायन विभाग. ग. ला ने. मेडिकल कॉलेज, अजमेर (राज०)

[४४]

१. चन्द्रशेखर व्यास
२. व्याकरण कोविद, आयुर्वेद विशारद
३. चैत बदी १३ सं० १९६८ वि० (१९११ ई०)
४. चूरू
५. वैद्यक
६. 'शेखर का सोरठा' (प्रकाशक : गोविन्द अग्रवाल, मोल ०.५०, सन् १९५७ ई)
७. वेजा (एकांकी-नाटक)—प्रवासी (रंगून)
   दायजो (,,) ,,
८. —
९. हिन्दी मे भी नाटक अर कहाणी लिखी
१० पो० चूरू (राज०) ३३१००१
११. ऊपर मुजब

[४५]

१. चन्द्रसिंह
२. बी. ए., विशारद
३. उमर लगभग ७० बरस
४. बिरकाळी (नोहर–गंगानगर–राज०)
५. खेती बाड़ी
६. बादळी (काव्य), लू (काव्य), बाळसाद (फुटकर रचनावां), दिलीप (अनुवाद), काळजै री कोर (अनुवाद), चित्रांगदा (अनुवाद), कहमुकरणी (काव्य), जफरनामो (अनुवाद)
७. मुखाणी आद पत्रा में छपी
८. साफ, बसंत, घोरा, चानणी, डांफर, गाथा सप्तशती, रघुवंश, मेघदूत (अनुवाद)
९. अध्यक्ष, राजस्थान भासा प्रचार सभा, जयपुर, सदस्य, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर, अध्यक्ष, राजस्थान लेखक सहकारी समिति, जयपुर (सगळा पद भूतपूर्व)। रत्नाकर पुरस्कार अर बलदेवराम पदक सूं सम्मानित श्रेष्ठ साहित्य कार रूप मे साहित्य अकादमी सूं सम्मानित।
१०. बिरकाळी (नोहर—गंगानगर—राज०)
११. ऊपर मुजब

[४६]

१. चतुर कोठारी
२. एम. ए. (हिन्दी), साहित्य रत्न, बी. एड.
३. २६-१-१६३६ ई०
४. हिन्दी पुस्तक
५ —
६. —
७. जागती जोत, बीकानेर तथा ४२ अन्य पत्र-पत्रिकाओं मे हिन्दी-राजस्थानी काव्य रचनावां छपी
८. हिन्दी पुस्तक
९. तरुण साहित्य संगम रा संस्थापक, राजस्थानी भाषा प्रचारिणी सभा, राजसमंद रा पदाधिकारी अर दूजी अनेक सामाजिक संस्थावां सूं जुड़योड़ा कई सम्मेलन, उपनिषद् अर गोष्ठियां रो आयोजन करयो
१०. कोठारी सदन, बड़ापाड़ा, राजसमंद (उदयपुर—राज०)
११. ऊपर मुजब

[४७]

१. चिरंजीलाल शर्मा

२. दसवी कक्षा

३. २३-१-१६४२ ई०

४. बीकानेर

५. निजू व्यवसाय

६. —

७. जागती जोत, हिन्दुस्तान आद पत्रां में छपी

८. मोर री पांखां, पगलिया, (दोनूं कविता संग्रै) आदमी सूं जिनावर (कहाणी संग्रै)

६. —

१०. फेवरीट वाच इम्पोरियम, राणी बाजार, बीकानेर—३३४००१

११. डागा क्वार्टर १, राणी बाजार, बीकानेर—३३४००१

[४८]

१. चेतन स्वामी

२. दसवीं ताईं

३. ४-३-१६५७ ई०

४. श्री डूंगरगढ (चूरू)

५. ब्योपार

६. —

७. वर्तमान, कथालोक, वैचारिकी, म्हारो देस, जागती जोत, युगपक्ष, बालघर आद पत्रां में छपी

८ 'बात री हळो' (कहाणी संग्रै) मटरस (कविता संग्रै)

६. राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्री डूंगरगढ़ सूं प्रकासित 'राजस्थली' पत्रिका रा प्रबंध सपादक

१०. चेतना नॉवेल्टी स्टोर, स्टेशन रोड, श्री डूंगरगढ़ (चूरू) ३३१८०३

११. ऊपर मुजब

[४६]

१. छगनलाल व्यास

२. बी. कॉम., बी. एस. टी. सी.

३. ७-१-१६५८ ई०

४. खण्डप (बाड़मेर-राज०)

५. अध्यापन

६. —

७. जागती जोत आद पत्रां में छपी

८. —

६ —

१०. पो० खण्डप (बाडमेर—राज०)

११. राज. उ. प्रा. विद्यालय, पो. इन्द्राणा (वाया सिवाना-बाड़मेर—राज०)

[५०]

१. जंवरीमल शर्मा

२. बी. ए., व्यायाम विशारद

३. १०-३-१६२६ ई०

४. सरदारशहर (चूरू—राज०)

५. अध्यापन

६. राजस्थानी ढोळ, (हास्य)—१·००

७. —

८. गांवां री मोठी बोली (३००० कहावतां), नौ वानगी (६ प्रहसन जिका खेल्या गया), फुटकर कहाणी, कविता आद

६. —

१०. नेनाराम जंवरीमल शर्मा, भापुणां मोहल्ला, सरदारशहर (चूरू-

११. ऊपर मुजब

१. डॉ० जगमोहन सिंह परिहार

२. बी. एस. सी., एम. ए. (हिन्दी) पी. एच. डी.
(विषय—"राजस्थानी साहित्य का इतिहास विक्रम स० १६५०-१८००")
डी० लिट्०
(विषय—"राजस्थान मे विविध भक्ति सम्प्रदाय और उनके साहित्य का ऐतिहासिक, साहित्यिक एव दार्शनिक अनुशीलन")

३. ३-३-१९४७ नावा (जोधपुर)

४. आकाशवाणी के जोधपुर केन्द्र पर हिन्दी कार्यक्रम उद्घोषक

५. (१) मध्यकालीन चारण काव्य पुस्तक वर्ष १९७९ मे मयंक प्रकाशन जोधपुर से प्रकाशित, मूल्य ५०) इस पुस्तक पर अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए और इसे जोधपुर विश्वविद्यालय एम. ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी के पाठ्यक्रम मे अभिस्तावित किया गया है।

(२) मेवाड़ की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि पर आधारित ऐतिहासिक नाटक 'रक्ताभिषेक' का मयक प्रकाशन जोधपुर से वर्ष १९८० मे प्रकाशन मूल्य १५)

(३) मयक प्रकाशन, जोधपुर सू वर्ष १९८० मे ही राजस्थान के लोक देवताओ के जीवन चरित्र की ऐतिहासिकता पर आधारित पुस्तक 'राजस्थान रा लोक देवता अर वा रो साहित' प्रकाशित मूल्य १५)

६. (१) शोध पत्रिका, ओसवाल युवक सन्देश, सरहदी आवाज, जलतेदीप, राजपूत सन्देश, अभयदूत सपशक्ति तथा मधुमती आदि पत्र-पत्रिकाओ मे साहित्यिक अर शोध निबन्ध, कवितावा आदि रो प्रकाशन

(२) अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अग्रेजी ज्योतिष पत्रिका 'दी एस्ट्रोलोजिकल मैगजीन' मे अनेक ज्योतिष शास्त्र की रचनाओ का प्रकाशन

(३) आकाशवाणी केन्द्रों से कविताएं, नाटक, रूपक तथा हिन्दी और राजस्थानी मे अनेक साहित्यिक वार्ताओ का प्रसारण

७. डॉ० जगमोहन सिह परिहार, ५७६, सरदारपुरा, रोड न० १०-सी, जोधपुर (राजस्थान)

८. २८३, पुरोहित भवन, कमला नेहरू नगर, पोलासनी रोड, जोधपुर (राजस्थान)

[५२]

१. जगदीश पंडित

२. आचार्य (साहित्य, आयुर्वेद, दर्शन), विद्यावारिधि. महोपाध्याय, एम.एड.

३. २०-८-१९३८ ई०

४. रणसीसर (नागौर—राज०)

५. व्याख्याता, राजसेवा

६. —

७. शिक्षा विभागीय संकळन (लखाण) में अर श्रवणोपासक, जनमंगळ आद पत्रां में रचनावां छपी

८. अणजाण्यां के नांव आखर (कवितावां) अर हिन्दी–संस्कृत री पांच पोथ्यां

९. सदस्य, राजस्थान संस्कृत, साहित्य सम्मेलन अर विश्व संस्कृत परिषद्

१०. सिखवाळ भवन, पो० रणसीसर (नागौर)

११. राज० उ. मा. विद्यालय, बालेसर (जोधपुर—राज०)

] ५३]

१. जमनाप्रसाद 'ढाडाराही'

२. बी. ए., बी एड.

३ १-११-१९१२ ई०

४. कोटा

५. सेवानिवृत्त राजकर्मचारी (अध्यापक)

६. रतुंगडळी–भारतेन्दु साहित्य समिति १९७४–७५
(काव्य) कोटा

७ शिक्षा विभाग री पोथ्या में अर चामळ, चिदम्बरा, जागृति, कचनार आद पत्रों मे नाटक, गजल, गीत आद छप्या

८. —

९. भारतेन्दु साहित्य समिति, कोटा सूं जुड़ेड़ा

१०. शिवदास घाट री गळी, कोटा–६

११. ऊपर मुजब

[५४]

१. जयकृत शेखावत 'अकेला'
२. उच्च माध्यमिक कक्षा
३. २०-८-१९६० ई०
४. पो० करीरी (जयपुर)
५. वन विभाग री सेवा
६. —
७. जागती जोत, कला शृंखला, बालचर आद पत्रिकावां में छपी
८. 'असफल प्रेमी' उपन्यास
९ —
१०. पो० करीरी (वाया खेजड़ीलो—जयपुर)
११. वन विभागीय बिक्री केन्द्र, प्रतापगढ़ (चित्तौड़-राज०) ३१२६०५

[५५]

१. डॉ० जयचन्द्र शर्मा
२. हिन्दी विशारद, डॉ० ऑफ म्यूजिक
३. १९-९-१९१९ ई०
४. चूरू (राज०)
५. निदेशक, श्री संगीत भारती, बीकानेर
६. झोटियो (नृत्य नाट्य) प्रौढ़ शिक्षा समिति, बीकानेर—१९७७-०.३५
७. लोक गीत, संगीत, नृत्य, नाट्य अर साहित्य री विधावां मे जागती जोत, वरदा, नैणसी, मरुवाणी, ईसरलाट, म्हारोदेस, हरावळ, राजस्थानी आद पत्रां मे रचनावां छपी
८. गणगोर (नाटक), तोरणियो माई, एक म्यान मे दो तलवार (दोनूं एकांकी), राधा री पिकनिक, मीरां मंगळ, लखपत (सगळा नृत्य नाटक) फूलकंवर, टमरकटू, मेहनत रो फळ, चन्द्र ग्रहण, टाबरटोळी (सगळा टाबरां जोग नृत्य नाटक), गवैयां री गोठ (हास्य रचनावां)
९. संगीत प्रवीण, संगीत कलाधर अर संगीतेन्दुरी उपाधि मिली, राजस्थान संस्था संघ, नई दिल्ली सूं अभिनंदन अर ११००१) नकद। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी रा सदस्य
१०. संगीत भारती, गंगाशहर रोड, बीकानेर—३३४००१
११. ऊपर मुजब

[५६]

१. जयपाल
२. एम. ए. (भूगोल)
३. २-४-१९५७ ई०
४. हरनावदी जागीर, पो० छीपा बड़ौद (कोटा—राज०)
५. पढ़ाई
६. —
७. जागती जोत, कचनार, हिमस्नेह, जननायक आद पत्रां में छपी
८. —
९. —
१०. अंता (कोटा—राज०)
११. ऊपर मुजब

[५७]

१. जयप्रकाश पंड्या 'ज्योतिपुंज'
२. एम. ए. (संस्कृत, इतिहास), साहित्य रत्न, बी. एड.
स्नातकोत्तर पत्रकारिता डिप्लोमा, संगीत (गायन) में जूनियर डिप्लोमा
३. २८-९-१९५२ ई०
४. पो० टामटिया (डूंगरपुर—राजस्थान)
५. प्रसारण अधिकारी, आकाशवाणी, उदयपुर
६. —
७. जागती जोत आद पत्रिकावां में छपी
८. बागड़ी काव्य सर्प दो (छपरा), बागड़ी कहाण्यां (छुद री), बागड़ी लोकगीत, लोक कथा, कहावतां अर मुहावरां री तीन पोथ्यां (संपादित)
९. स्काउटिंग में राष्ट्रपति पुरस्कार
१०. पो० टामटिया (डूंगरपुर—राज०)
११. आकाशवाणी, उदयपुर (राज०)

[५८]

१. जय व्यास (जय गोपाल)

२. दसवीं ताई

३. २६-८-१९४२ ई०

४. कानपुर (उ. प्र.)

५. शिक्षा निदेशालय, बीकानेर में सेवा

६. —

७. अनेक पत्रां में छपी

८. वावरां री कहाणी—संग्र

९. —

१०. बेणीसर कूम्रो, व्यासगळी, बीकानेर—३३४००१

११. ऊपर मुजब

[५९]

१. जानकीप्रसाद पुरोहित

२. बी ए.

३. १६-९-१९३५ ई०

४. रामगढ़ सेखावाटी (सीकर—राज०)

५. अध्यापन

६. —

७. हास्य, व्यंग, विनोद अर लोक साहित्य तथा संस्कृति संबंधी फुटकर रचनावां पत्र-पत्रिकावां में छपी

८. फुटकर रचनावां

९. सेखावाटी रा वरिष्ठ पत्रकार

१०. रामगढ़ सेखावाटी (सीकर—राज०)

११. ऊपर मुजब

[६०]

१. जीवराज शर्मा

२. दसवीं तांई, राजस्थानी साहित्य विसारद

३. ८-१०-१९४३ ई०

४. काळू (बीकानेर)

५. अध्यापन—राजसेवा

६. —

७. चारित्रिक विसयां पर रचनावां छपी

८. पुरपांजळी (राजस्थानी कवितावां)

९. —

१०. काळू (बीकानेर)

११. ऊपर मुजब

[६१ [

१. जीवानंद 'आनंद'

२. शास्त्री, साहित्य भूपण, विद्या वाचस्पति, वेदथमी

३. चैत बदी ७, वि १९८० (१९२३ ई०)

४. पाटोदा (बठोठ पाटोदा—सीकर—राज०)

५. निजू व्यवसाय

६. वैदिक सृष्टि विज्ञान, राजस्थान संस्कृत परिचय ग्रन्थ, प्रभात वन्दना आद कुल ७ पोथ्यां हिन्दी में छपी

७. वैदिक वाङ्मय अर शेखावाटी संस्कृति संबंधी रचनावां जागती जोत आद पत्रां में छपी

८. पाड़वी–बलजी-भूरजी, डूंगाजी-जंवारजी, वैदिक विकृति विज्ञान

९. संपादन 'जनपथ' साप्ताहिक, 'अखण्ड राजस्थानी' साप्ताहिक, कुल सचिव, राजस्थान ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, रतनगढ, अध्यक्ष, चूरू जनपदीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन, अर साहित्य कला संगम, रतनगढ़, संस्कृत प्रचार में स्वर्णपदक प्राप्त

१०. आनंद सदन, रतनगढ़ (चूरू—राज०)

११. ऊपर मुजब

[६२]

१. जुगल परिहार
२. —
३. —
४. जोधपुर
५. अध्ययन
६. —
७. जागती जोत, अपरंच आद पत्रां में छपी
८. जन्मान्तरेऽपि (लघु नाटक), एकाकी संग्रै, कहाणी संग्रै, विग्यान कथावां हेलो राहत उपन्यास), अजब अनोखो जंगळ (बाल मुक्त संग्रै), कुमू (बाळ उपन्यास)
९. जोधपुर री साहित्यिक संस्थावां सूं जुड़ेड़ा
१०. कुम्हारिया कूवा, कुम्हारां री गळी, जोधपुर (राज०)
११. ऊपर मुजब

[६३ [

१. जोगीदान कविया 'वारेठ'
२ मैट्रिक, प्रभाकर
३. द्वितीय जेठ सुदी ४, सं० १९६१ वि० (१९०४ ई०)
४. सेवापुरा (जयपुर)
५. राज री सेवा सूं निवृत्त
६. श्रीमद् भगवत गीता सतसई, त्यागमूर्ति श्री गणेशदास जी, तंवरवंश का संक्षिप्त इतिहास, हठी हमीर आद संपूर्ण रचनावां, संपादन-मेहाई महिमा नांव री पोथी
७. मरुवाणी, जागती जोत, क्षात्रधर्म संदेश आद अनेक पत्रिकावां में छपी
८. वैराग सतक, सिणगार सतक, नीति सतक, उरदू शेरां रा राजस्थानी अनुवाद अमर गीत, नरसिंह चाळीसा, महावीर मत्तगयंद महिमावली, सपूत-कपूत वर्णन, शिव गोरखस्तुति, कुरानमजीद (५०० दूहा), इजील (२०० दूहा) आद
९. नागरी प्रचारिणी सभा काशी की 'बाला बक्स राजपूत-चारण ग्रन्थमाळा' रा ट्रस्टी
१०. गांव पो० सेवापुरो (जयपुर—राज०)
११ ऊपर मुजब

[६४]

१. झाबरसिह् आर्य
२. एम. ए (राजनीति विज्ञान, इतिहास), बी. एड. राजस्थानी साहित्य पारखी (स्वर्ण पदक विजेता)
३. ५-६-१६३७ ई०
४. जेजूसर (झुंझणू—राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. वातां अर कहाणिया 'वानर' आद पत्रां में छपी
८. 'झीणीझीणी वातां'
९. सयुक्त मत्री, राजस्थानी साहित्य संस्थान, झूंझणु, राजस्थान भासा प्रचार सभा री परीक्षावां रा संयोजक
१०. जेजूसर (झूंझणूं—राज०)
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पो० टांई (झूंझणूं—राज०)

[६५]

१. डी. आर. राठोड 'निमल'
२. एम. ए. (इतिहास), बी. एड.
३. २१-५-१६३८ ई०
४. बिलाडा (जोधपुर)
५. अध्यापन—राजसेवा
६. —
७ चेतन प्रहरी, संघ शक्ति, सोवी मदेश आद पत्रां मे लोक साहित्य अर सस्कृति सबंधी रचनावां छपी
८. राजस्थानी साहित्य में गूठार्थ अर पहेलिया प्रताप्ड ज्योति (विवाह सबंधी गीत)
९. अन्तर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद् सूं जुड़ेड़ा
१०. पाटावतां री गुवाड़, पोलियावास) बिलाड़ा (जोधपुर)
११. राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, बिलाड़ा (जोधपुर)

[६६]

१. डी. पी. जोशी

२. एम ए. (इतिहास), एल. एल. बी., बी. एड.

३. २०-६-१६२४ ई०

४ बीकानेर

५. अध्यापन

६. खेलां संबंधी पोथ्यां हिन्दी मे लिखी। 'घनेरी' नांव सूं कहाणी संग्रै छपायी (१६७०)

७ फुटकर रचनावां अनेक पत्रां में छपी

८. कवितावा अर रेखाचित्र है

९. —

१०. ईदगाहबारी, बीकानेर

११. ऊपर मुजब

[६७]

१. दलपत परिहार

२. एम. ए. (हिन्दी)

३. १४-२-१६४८ ई०

४. गांव मुंडारा (पाली—राज०)

५. भूजल विभाग री सेवा मे

६. —

७. कहाण्यां, कवितावां, गजलां अर समीक्षावां छपी

८. "मिनख के भेड़" नाटक

९. सचिव, दिशा नाटय परिषद्, जोधपुर

१०. डि० मथमदास जी बोराणा, जालोरी गेट रै मांय, नहर रै कनै, जोधपुर

११. ३३, गोस्वामी मार्ग, ब्रह्मपोळ, उदयपुर—३१३००१

[६८]

१. दूधसिंह काठात

२. एम. ए., बी. एड.

३. आयु लगभग ४७ वरस

४. सोनगिरी (ब्यावर—अजमेर—राज०)

५. अध्यापन

६. —

७. मरवाणी, जागती जोत, कचनार आद पत्रां में छपी

८ —

९. —

१०. सोनगिरी (ब्यावर—अजमेर—राज०)

११. रा. उ. मा. विद्यालय, प्रताप नगर, भीलवाड़ा (राज०)

[६९]

१. दुर्गादानसिंह गौड़

२. दसवी तांई

३. १०-१०-१९४७ ई०

४. अटरू (कोटा)

५. खेती-बाड़ी

६. —

७. जागती जोत, चामक, कचनार, हरावळ, मधुमती आद पत्रां अर अनेक संकलनां में छपी

८. आंबा हरियो रहीजे रे (काव्य संग्रै) चकमक (रेखा चित्र)

९. —

१०. गांव पो० जोलमा (खानपुर—झालावाड़—राज०)

११. ऊपर मुजब

[६६]

१. डी. पी. जोशी
२. एम ए. (इतिहास), एल. एल. बी., बी. एड.
३. २०-६-१६२४ ई०
४ बीकानेर
५. अध्यापन
६. खेलां संबंधी पोथ्यां हिन्दी में लिखी। 'घनेरी' नांव सूं कहाणी संग्रै छपायो (१६७०)
७ फुटकर रचनावां अनेक पत्रां में छपी
८. कवितावां अर रेखाचित्र है
९. —
१०. ईदगाहबारी, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[६७]

१. दलपत परिहार
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १४-२-१६४८ ई०
४. गांव मुंडारा (पाली—राज०)
५. भूजल विभाग री सेवा में
६. —
७. कहाण्यां, कवितावां, गजलां अर समीक्षावां छपी
८. "मिनख कै भेड़" नाटक
९. सचिव, दिशा नाटय परिषद, जोधपुर
१०. ठि० अचलदास जी बोराणा, जालोरी गेट रै मांय, नहर रै कनै, जोधपुर
११. ३३, गोस्वामी मार्ग, ब्रह्मपोळ, उदयपुर—३१३००१

[६८]

१. दूधसिंह काठात

२. एम. ऐ., बी. एड.

३. आयु लगभग ४७ बरस

४. सोनगिरी (ब्यावर—अजमेर—राज०)

५. अध्यापन

६. —

७. मरुवाणी, जागती जोत, कचनार आद पत्रां मे छपी

८ —

९. —

१०. सोनगिरी (ब्यावर—अजमेर—राज०)

११. रा. उ. मा. विद्यालय, प्रताप नगर, भीलवाड़ा (राज०)

[६९]

१. दुर्गादानसिंह गौड़

२. दसवीं तांई

३. १०-१०-१९४७ ई०

४. अटरू (कोटा)

५. खेती-बाड़ी

६. —

७. जागती जोत, चामक, कचनार, हरावळ, मधुमती आद पत्रां अर अनेक संकलनां में छपी

८. आंबा हरियो रहीजे रे (काव्य संग्रै) चकमक (रेखा चित्र)

९. —

१०. गांव पो० जोलमा (खानपुर—झालावाड़—राज०)

११. ऊपर मुजब

[७०]

१. देवकर्णसिंह राठौड़

२. एम. ए. (हिन्दी)

३. २३-१-१६३६ ई०

४. रूपाहेली कला (भीलवाड़ा—राज०)

५. प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, भूपाल नोबल्स महाविद्यालय, उदयपुर

६. जननायक प्रताप (सम्पादन)

७. जागती जोत, मरुवाणी मरु शक्ति, मधुमति आद पत्रिकावां में दूहा छप्या

८. विरखा मर विरहण, विऊ पीवें दारू, हकीम खां सूर, घमगड़ हेमादेव, भूदान

९. सदस्य, सरस्वती सभा, राजस्थान साहित्य अकादमी, जीवन सदस्य, विद्या प्रचारिणी सभा, उदयपुर, मानद निदेशक, प्रताप शोध प्रतिष्ठान, उदयपुर विश्व हिन्दी सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि बण'र मारीशस गया

१०. रूपाहेली कला (भीलवाड़ा—राज०)

११. भूपाल नोबल्स कॉलेज, उदयपुर (राज०)

] ७१]

१. देवकृष्ण शर्मा

२. साहित्याचार्य, सांख्ययोगाचार्य, वेदान्ताचार्य, एम. ए. (संस्कृत)

३. —

४. जायल (नागौर—राज०)

५. व्याख्याता (संस्कृत), श्री कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीकर (राज०)

६. संस्कृत व्याकरण संबंधी पोथी

७. स्वरमंगला, विश्वंभरा आद पत्रां में सांस्कृतिक विषयां पर लेख

८. —

९. राजस्थान रै इतिहास अर संस्कृति पर शोध में रुचि

१० जायल (नागौर—राज०)

११. कल्याण कॉलिज, सीकर (राज०)

[७२]

१. देवकृष्ण शर्मा

२. बी. कॉम.

३. १५-८-१९६१ ई०

४. बीकानेर

५. राजकीय सेवा

६. —

७. ६० तैंही रचनावां जागती जोत आद अनेक पत्रिकावां में छपी

८. 'नगारै मे ऊंदरी' (टाबरां री कवितावां)

९. आदर्श युवा परिषद् रा सचिव

१०. मावा वाळा हाउस, जस्सूसर गेट, बीकानेर

११. ऊपर मुजब

[७३]

१. धनदान लाळस

२. परंपरागत काव्य शिक्षा

३. भादवा सुदी ११ सं० १९७२ वि० (१९१५ ई०)

४. चांचळवा, पो० ओटाम्बर (जोधपुर—राज०)

५. घरू काम

६. —

७. चारण साहित्य, संघ शक्ति, कर्मठ राजस्थान आद पत्रां में रचनावां छपी

८. कुड़ापे रा अवगुण पचपनी, चायनिंदा बाईसी, करतार. कीरत बत्तीसी, महामाया करणी महिमा आद अनेक फुटकर गीत, कवित्त, दूहा, सवैया

९. डिंगळ-पिंगळ रा चोखा जाणकार

१०. गांव चांचळवा, पो० ओटाम्बर (जोधपुर)

११. ऊपर मुजब

[७४]

१. डॉ० धनराज चौधरी
२. एम. ए, पी. एच डॉ (भौतिकी)
३. १८-६-१६४२ ई०
४. जालोर (राज०)
५. प्रवक्ता, भौतिक शास्त्र विभाग, राज० विश्वविद्यालय, जयपुर
६. 'प्रवाह' नांव सूं हिन्दी उपन्यास १६७७ मे छपी
७. जागती जोत, धर्मयुग, कादम्बिनी आद मे कहाण्यां, व्यंग्य, समीक्षावां आद छपी
८. —
९. स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस आद घूम्योड़ा
१०. २ घ ५ जवाहर नगर, जयपुर—३०२००४
११. ऊपर मुजब

[७५]

१. नन्दकिशोर शर्मा
२ एम. ए (इतिहास), बी एड.
३. १-१-१६३८ ई०
४. जैसलमेर
५. अध्यापन
६. जैसलमेर परिचय, जैसलमेर की रमतें, जूनो जैसलमेर (गुजराती), जैसमेर, दी गोल्डन सिटी, जैसलमेर (फ्रेंच)नांवां री पोथ्यां छप्योड़ी है।
७. कवितावा, लेख आद जागती जोत, मरुवाणी आद पत्रां मे छपी
८. 'पंखियां रा गीत' (काव्य)
९. मत्री, अंतर प्रातीय कुमार साहित्य परिषद्, जैसलमेर
१०. जैन धरमसाळा रै पास, जैसलमेर
११. ऊपर मुजब

[७६]

१. नमोनाथ अवस्थी

२. हायर सैकेन्डरी

३. ४-५-१६५३ ई०

४. डौरावळी, खेड़ला (सवाई माधोपुर—राज०)

५. स्वतंत्र लेखन

६. —

७. अनेक पत्रिकावां में लगातार छपै

८. —

९. 'युवा हस्ताक्षर' रो संपादन आकाशवाणी सूं वार्तावां रो प्रसारण

१०. गांव डौरावली, पो० खेड़ला, जिलो सवाई माधोपुर (राज०)

११. ऊपर मुजब

[७७]

१. डा० नरपतचन्द सिंघवी

२. एम. ए., एल. एल. बी., पी. एच. डी.

३. १-१-१६२५ ई०

४. नागौर (राज०)

५. रीडर, हिन्दी विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर

६. हिन्दी री दो पोथ्यां १६७० अर ७२ में छपी

७. जागती जोत आद में छपी

८. —

९. सदस्य, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर, जोधपुर विश्वविद्यालय री एकेडेमिक कॉन्सिल रा सदस्य। जोधपुर री अनेक साहित्यिक सांस्कृतिक संस्थावां सूं जुड़ेड़ा

१०. १, मोतीलाल बिल्डिंग, जोधपुर

११. ऊपर मुजब

[७८]

१. नवलकिशोर 'कांकर'

२. एम. ए. (संस्कृत), साहित्याचार्य, व्याकरणाचार्य

३. उमर लगभग ६२ वरस

४. जयपुर

५ सेवा निवृत्त संस्कृत प्राध्यापक

६. 'सैल सपाटा' छाया वर्णन— १९८०—१५/-

७. संस्कृत पत्रिकावां मे घेरी लिखी

८. खुद रा बणायोड़ा राजस्थानी दूहा री पोथी

९. संस्कृत रचना पर साहित्य अकादमी सूं पुरस्कृत, वेदां रो विसेस अध्ययन

१०. सुमेर कर्ण मार्ग, रामगंज अनाज मंडी, जयपुर—३०२००३

११. ऊपर मुजब

[७९]

१. डॉ० नागरमल सहळ

२. एम. ए., पी. एच. डी , एल एल बी , साहित्य विशारद

३. भादवा बदी ७, १९७६ वि० (१९१९ ई०)

४. नवलगढ़ (झुंझणूं—राज०)

५. अवकाश प्राप्त प्रोफेसर अर अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, जोधपुर विश्व-विद्यालय, जोधपुर

६. अंग्रेजी मे 'सिक्स्टी ईयर्स ऑफ रीएलिस्टिक आयरिशड्रामा—१९७१

७. जागती जोत, मरु भारती, मरुश्री आद पत्रां मे छपी

८. अरस्तू री पोइटिक्स रो हिन्दी अनुवाद

९. सदस्य, ग्वालियर, उदयपुर विश्वविद्यालय सदस्य, सीनेट, जोधपुर विश्व-विद्यालय सोध प्रबंधा रा परीक्षक, आचार्य तुलसी, युवाचार्य मुनि नथमल जी तथा मुनि रूपचन्द जी री ६ नैड़ी पोथ्यां रा अंग्रेजी अनुवाद

१०. वासंती, हाईकोर्ट कोलोनी, जोधपुर—३४२००१

११. ऊपर मुजब

[८०]

१. नाथूलाल शर्मा 'निडर'

२. एम. ए. (हिन्दी अर राजनीति विज्ञान), बी. एड, साहित्यरत्न

३. १५-१०-१९४३ ई०

४. भोज्याखेड़ी (अंता-कोटा)

५. अध्यापन—राजसेवा

६ आंवळा हाळी रात—उपन्यास—अणहद लोकमंच अंता—१९७९ १२/-
कांचच—हास्य व्यंग्य काव्य " ८/-

७. कचनार, धामळ, जागती जोत अर अनेक पत्रा में छपी।

८. उघाड़ो दलाल्यो (कहाण्या)

९. संस्थापक सदस्य, 'अणहद' हड़ोती लोकमंच, अंता, सम्पादक 'कचनार'

१०. पो० भोज्याखेडी (अंता कोटा)

११. निडर निवास, अंता (कोटा-राज०)

[८१]

१. नारायणसिंह सांदू

२. एम. ए. (हिन्दी)

३. १५-११-१९४९ ई०

४. भदोरा (नागोर)

५. सर्वेक्षण अधिकारी, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर

६. —

७. मरूभारती, रंगयोग, वरदा, चारण साहित्य आद में लेख छप्या।

८. —

९. 'रंगयोग रा संपादक, 'चारण साहित्य' रा सह संपादक, शिकागो विश्वविद्यालय रा सोधछात्रां साथै काम रो अनुभव, राजस्थानी सबदकोस में काम रो अनुभव।

१०. गाव पो० भदोरा (नागोर–राज०)

११ राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, पावटा ए रोड, जोधपुर

[८६]

१, पाबूदान कविया

२. साधारण

३, उमर सत्तर बरस रै अन्दाजन

४. सेवापुरी (जयपुर)

५. खेती

६. —

७. मरुवाणी, जागती जोत अर चारण का इतिहास भाग २ मे कवितावां छपी

८. फुटकर रचनावां घणी है ।

६ परंपरा सूं काव्य रचना रो चोखो अभ्यास है ।

१०. गांव पोस्ट सेवापुरो (जयपुर-राज०)

११ ऊपर मुजब

[८७]

१ श्रीमती पुष्पलता कश्यप

२ —

३ १०-१०-१९५३ई०

४. जोधपुर (राज०)

५. अध्यापन

६. —

७, राजस्थली, हरावळ, अपरंच आद मे लघुकथावां, कहाणी छपी

८, बडी तादाद मे कवितावा कहाण्यां आंद

९. सदस्या 'त्रिवाणी', जोधपुर सचिव. 'अन्तर्यात्रा', भोपाल

१०, कचहरी डाकखानै रै पास, जोधपुर-३४२००६

११. ऊपर मुजब

[८८]

१. पुष्पेन्द्र मादरेचा "कमल"

२. एम० ए० (दर्शन)

३. ३-१-१९५९ ई०

४. —

५. —

६. —

७. अनेक पत्र-पत्रिकावां में अनेक विधावां री रचनावां छप्पी ।

८ —

९. अभिव्यक्ति, राजसमद, तरुण साहित्य संगम, राजसमंद अर दूजी सामाजिक सास्कृतिक संस्थावां सूं जुड़्योड़ा । कई समारोहां, सम्मेलना अर गोष्ठिया री आयोजन कर्यो ।

१०. डाक घर रै कनै, राजसमंद (उदयपुर)

११. ऊपर मुजब

[८९]

१. पूरन सरमा

२. बी० ए०

३. १४-३-१९५४ ई०

४. सिकन्दरा (जयपुर)

५. राजस्थान विश्वविद्यालय री सेवा

६. हिन्दी में "एक और युद्ध" नांव री पोथी

७. चामळ, हरावळ, मांळमो, जागतीजोत, विवेक, विकास आद पत्रिकावां में रचनावां छपी ।

८. —

९. हिन्दी मासिक "स्थिति" री संपादन

१०. सिकन्दरा (जयपुर-राज०) ३०३३२६

११. जन सम्पर्क विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राज०)

[९४]

१. प्रेम जी "प्रेम"

२. एम. ए. (हिन्दी), बी. कॉम

३. २०-१-१९४३ ई॰

४. गाव : फफटाणो (लाडपुरा-कोटा)

५. नौकरी

६. चमचा १९७६—प्रकाशक सुद-हास्य—३.००
सावळी सांच १९७३ " गजल ३.००
सेळी छांव मजूर की १९७५ " उपन्यास ४.२५
रामचंद्र की राम कथा १९७७ " कहाण्यां ८.००
सूरज १९७८ " खंड काव्य १०.००
सरवर, सूरज अर सभया १९८० राज भा. सा. संगम बीकानेर—

७. मरुवाणी, हरावळ ओळमाण चामळ, कचनार, ईसरलाट, हेलो, राजस्थली, इतवारी पत्रिका, जागती जोत आद मे छपी हिन्दी रचनावां नवनीत, धर्मयुग, हिन्दुस्तान मे छपी ।

८. "माळ को मजीरो" (उपन्यास), चालावेलो (कहाणी)

९ केन्द्रीय साहित्य अकादमी रै राजस्थानी सलाहकार मंडल रा सदस्य, राजस्थान साहित्य अकादमी सूं पुरस्कृत, चामळ पत्रिका रो संपादन नाटका रै मंचन मे रुचि ।

१०. मवर भवन. करबला, लाडपुरा (कोटा—राज॰)

[९५]

१. प्रेम बहादुर "सक्सेना"

२ एम. ए (अंग्रेजी, हिन्दी) साहित्यरत्न (हिन्दी) एम. एड.

३. २५-६-३५, सूरतगढ़ (श्री गगानगर, राज॰)

४ अध्यापक

५. वातायन, सप्ताहात, बातघर, मरुदीप, ओळमो, मधुमती, इतवारी पत्रिका आदि मे रचनावा छपी ।

६ आकाशवाणी जयपुर'र बीकानेर स्यूं प्रायः कविता कहाणी अर निबन्ध प्रसारित ।
माळा (राजस्थानी रचनावा रो सग्रै) रो सम्पादन, १९७२
राजस्थान-भारती पत्रिका रो सम्पादन शार्दूल राजस्थानी रिसर्च इन्टीट्यूट बीकानेर रा कई वर्षा ताईं साहित्य-सचिव ।

७. (क)फेरयूं (डा. राजानन्द लिख्यो हिन्दी नाटक रो राजस्थानी मे अनुवाद)
(ख) कुपान्तर (समसामयिक समस्यावा पर आधारीत नाटक)

८. ई-१५८. अम्बाबाड़ी, जयपुर ।

९. प्रधानाध्यापक,
सेठ दु द. ज. रा. उ. मा. विद्यालय, बिसाऊ ३३१०२७ (झुंझुनुं)

[६६]

१. डॉ. प्रेमचन्द्र रांवका

२. २० अक्तूबर १६४३,

३. स्व. श्री भंवरलाल जी रांवका कामदार: जनानी ड्योढी, जयपुर

४. एम० ए० (हिन्दी), शिक्षा शास्त्री,
जैन दर्शनाचार्य पी. एच. डी, (राजस्थान विश्व. वि.)

५ जयपुर (राज.)

६ अध्यापन (प्राध्यापक हिन्दी :) राजकीय संस्कृत कॉलेज,
मनोहरपुर (सीकर)

७. राजस्थानी भासा रा १५ वीं सदीरा
महाकवि ब्रह्म जिनदास: व्यक्तित्व एवं कृतित्व

८ १ उक्त शोध ग्रन्थ रो प्रकाशन १६८१
श्री महावीर ग्रंथ अकादमी जयपुर द्वारा, रु० ४०
२ डॉ० कस्तूरचन्द्र जी कासलीवाल र' साथै संस्कृत, अपभ्रंश, राजस्थानी पाण्डुलिपियां रो प्रकाशन माहि सहयोग, ग्रन्थ सम्पादन मे सहयोग
३ वीरवाणी, अनेकान्त श्रमण, उच्च अनुसंधान पत्रिका शोध पत्रिका, जागती जोत, राजस्थान पत्रिका, राष्ट्रदूत, अहिंसावासी, जैन सन्देश, पं. चेनसुखदास अभिनंदन ग्रंथ, ले महावीर जयन्ती स्मारिका आद १०० साहित्यिक, सामाजिक एवं धार्मिक लेख छप्या है।

६. प्राच्यविद्या रो अध्ययन अर अन्वेषण में अर साहित्य मे रुचि।

१०. १६१० सेजडे का रास्ता, जयपुर-१

[६७]

१. फतहलाल गुज 'नोखा'

२. एम. ए (हिन्दी)

३. ६-४-१६३६ ई

४. कांकरोली (उदयपुर-राज०)

५. अध्यापन

६ तीन हिन्दी पोथ्यां कवितावां री सुद छपवाई

७. सनाण' सर्प मे अर मरुवाणी, आद राजस्थानी अर अनेक हिन्दी छापां में कवितावां छपी

८. मेवाडी मोत्या री माळा (दूहा) अनोखा लोकगीत, विजयी मुंड (एकांकी) पचायत (एकांकी)

६. श्री द्वारकेश राष्ट्रीय साहित्य परिषद्, कांकरोली रा संचालक

१० जागळी, कांकरोली (उदयपुर)

११. ऊपर मुजब

[९८]

१. फारुक आफरीदी
२ एम. ए (हिन्दी)
३. २४. १२. १९५२ ई.
४ जोधपुर
५. सहायक जन सपर्क अधिकारी
६ -
७. जागती जोत, मधुमती, जलते दीप, धर्मयुग, नवभारत टाइम्स, दैनिक हिन्दुस्तान, राजस्थान पत्रिका आद में छपी
८. —
९ उपाध्यक्ष, कला त्रिवेणी; सदस्य 'चर्चा' आकाशवाणी सूं अनेक वार्ता प्रसारित,
१०. जालोरी गैट, जोधपुर ३४२००३
११. सहायक जन सपर्क अधिकारी, सूचना केन्द्र, उदयपुर (राज.)

[९९]

१. बजरंग लाल पारीक
२. माध्यमिक कक्षा
३. सावण सुदी १४ सं १९७३ वि. (१९१६ ई०)
४ नवलगढ़ (झूंझनूं-राज.)
५. साहित्य-साधना
६. किरण; चांदचढ्यो गिगनार; राणीसती कथामृत; रामायण संकीर्त्तन
७. मरुवाणी आद पत्रां में छपी
८ बाबा रामदेव कथामृत, खरी खोटी (नाटक)
९. साहित्य परिषद, लक्ष्मणगढ़ (सीकर), साहित्यिक संस्था 'संदर्श' अर श्री जगदम्बा कलाकेन्द्र, नवलगढ़ सूं अभिनंदन-पत्र भेंट। आकाशवाणी अर देश रा बडा कवि सम्मेलनां में कविता-पाठ
१०. कविता कुटीर, नवलगढ़ (झूंझनूं-राज.)
११. ऊपर मुजब

[१००]

१. वजरंग शर्मा

२. एम. ए (अंग्रेजी); एम. ए. (हिन्दी)

३. १६-४-१९५३ ई.

४. बीकानेर

५. लेखन

६. —

७. हरावळ. सिघसिरी, राजस्थली, जागती जोत, इतवारी पत्रिका, मधुमती आद पत्रिकावां में रचनावां छपी।

८. —

९. राज. सा. अकादमी रो 'नवोदित प्रतिभा पुरस्कार' कहाणी माथै मिल्यो।

१०. जसोळाई तळाई, दम्माणी अस्पताळ रै पास, बीकानेर (राज.)

११. ऊपर मुजब

[१०१]

१. बस्तीमल सोलंकी

२. साधारण

३. ३. ३. १९४३ ई.

४. चिरपटिया (मारवाड़ जंक्शन-पाली)

५. व्यवसाय

६. संपादित-१. जामण देवी हेलो २. मिनखा जूण रो मोल अर 'बगड़ावत महाभारत' (हिन्दी उपन्यास)

७. जागती जोत, मरुवाणी आद अनेक पत्रिकावां में घणी रचनावां छपी

८. आ धरती रंग रूड़ी (उपन्यास); रूड़ो राजस्थान (काव्य); बस्ती री पीड़ (काव्य); जळती जोत (कहाणी); टाबरां री रमत (कवितावां) अर ७ हिन्दी पोथियां

९. राजस्थान साहित्य चिंतन परिषद, भीम रा मंत्री; रा. साहित्य अकादमी सूं सहयोग प्राप्त

१०. पो. भीम (उदयपुर-राज.)

११. ऊपर मुजब

[१०२]

१. बाल कृष्ण थोलम्बिया
२. साहित्यरत्न, इण्टर मीडिएट
३. कातिक वदी ग्रमावस, सं. १६६२ वि. (१६०५ ई)
४. कोटा (राजस्थान)
५. अवकाश प्राप्त
६. —
७. चामळ, चिदम्बरा, जागती जोत मे राजस्थानी रचनावां ग्रर चांद, कल-वृक्ष, मातृ भूमि ग्राद मे हिन्दी रचनाया छपी।
८ नवल कुतुबदीन की रस कथा नंद पचीसी (राज०) दोनूं संपादित।
९. भारतेन्दु समिति, कोटा सूं, मत्री उपाध्यक्ष, अध्यक्ष, सदस्य ग्राद रूप मे समय समय पर जुड़योडा। वर्तमान मे ग्रध्यक्ष, हाड़ाती इतिहास शोध परिषद (कोटा), गणतन्त्र दिवस १६७५ मे जिला प्रशासन सूं सम्मानित।
१०. २३/२३७ सराय कायस्थान, कोटा ६
११. ऊपर मुजब

[१०३]

१. बुलाकी शर्मा
२. एम. कॉम.
३. एक मई, १६५७, बीकानेर
४. सरकारी नौकरी
५. —
६. जागती–जोत, राजस्थली, मुग–मुणियो, ओळमो, मनवार, जलते-दीप, युगपक्ष आदि पत्र-पत्रिकाग्रो मे लगभग दो ढाई दर्जन कहाणियां ग्रर व्यंग्य प्रकाशित तथा ग्रकाशवाणी जयपुर एव बीकानेर सूं प्रसारित।
७. ग्रनेकों संग्रहो में बाल कहाणिया, व्यंग्य एव लघु कथाए सग्रहीत। कुछ लघु कथाग्रों का ग्रर राजस्थानी मे हिन्दी मे अनुवाद किया है। एक बाल उपन्यास एवं एक व्यंग्य-संग्रह प्रकाशनाधीन
८. मावावाला हाउस, जस्सूसर गेट के बाहर बीकानेर (राज०)

[१०४]

१. वी. आर प्रजापत
२. एम. ए. (हिन्दी), साहित्य भूषण
३. १५-११-१९३९ ई०
४. जोधपुर (राजस्थान)
५. जोधपुर विश्वविद्यालय री सेवा
६. हिन्दी री एक पोथी-एक मुट्ठी घूम (१९७८ ई' ८/-)
७. हरावळ, हेलो, अपरंच, जलते दीप में राजस्थानी कवितावां, कहाण्यां, आळोचनावां, लेख आद छप्यां।
८. दरद यू मतजाग (काव्य) कुत्ता री मोत (कहाण्यां) ढोल री पोल (लेख)
९. त्रिवाणी (हिन्दी, उर्दू, राजस्थानी री संस्था) रा उपाध्यक्ष। फोटो-ग्राफीक सोसाइटी ऑफ जोधपुर रा सचिव
१०. तेज भवन, रामदेव गळी, जोधपुर
११. फ्लैट नंबर II एच. ४ विश्व विद्यालय, कॉलोनी. जोधपुर (राज०)

[१०५]

१. वी० एल० मालो 'प्रशांत'
२. एम० ए०, एल० एल० बी०
३. १७-११-१९४८ ई'
४. लक्ष्मणगढ़ (सीकर)
५. केन्द्र सरकार री सेवा
६. किली किली कट को

मिनख रा खोज	(कहाण्या)	१९७८	१०.००
बाळकां री वाता	(उपन्यास)	१९७९	१५.००
बिलानियो दादो	(संपादित)	१९७९	३.५०
माटी सूं मजाक	(बाल उपन्यास)	१९७९	५.००
दूध भरयो कटोरो	(निबंध)	१९८०	२०.००
दूधिया दांत	(संपादित)	१९८०	५.००
हूं कारै बात मीठी लागै	(बाल उपन्यास)	१९८०	५.००
बोलता आखर	(सपादित)	१९८०	५.००
कुच मादी राजू	(नाटक)	१९८१	१५.००
	(बाल उपन्यास)	१९८१	५.००

बात में हुंकारो	(सम्पादित)	१६८१	५-००
तारां छाई रात	(निबंध)	१६८१	४-००
हसी रा सबड़का	(चुटकला)	१६८१	५-००
लप भर मोती	(कहाण्यां)	१६८१	५-००
सोनै रो मोर	(कहाण्यां)	१६८१	३-५०
डेविड कापर फील्ड	(अनुवाद)	१६८१	६-००
एलिस इन वडरलैंड	(अनुवाद)	१६८२	६-००

७. दैनिक हिन्दुस्तान, नवभारत टाइम्स, योजना सम्पदा, सरिता, खादी ग्रामो द्योग. नवज्योति,इतवारी पत्रिका, मधुमती. कालबोध साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कहानी, आद मे हिन्दी रचनावां अर जागती जोत, वतळावण, राजस्थली आद मे राजस्थानी रचनावां छपी ।

८. रेत रा घर(नाटक), बावड़ा, पड़ाव अर मजल(निबंध)अणेपी (उपन्यास) मेरी गुरग जात्रा (हास्य व्यंग्य) राई-राई रेत (कहाण्यां) कुळती कविता उकळता गीत (कविता) आगलो भोतर (उपन्यास) पाणी रा फूल (कहाण्यां) अर दूजी पोथ्यां ।

९. 'झुणझुणियो' नाव सूं टाबरां रो पत्र निकाळै; राजस्थानी भाषा बाल साहित्य प्रकाशन ट्रस्ट नै संभाळै; राजस्थान साहित्य अकादमी सूं पुरस्कृत

१०. प्रशांत कुटीर बडै डाकखानै रै पास सीकर, रोड,
लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थान

११. घावडिया रो मोहल्लो, पुराणी गिनाणी बीकानेर (राजस्थान)

[१०६]

१. वृद्धरंजन 'अज्ञात'
२. भिषगाचार्य, बी ए.
३. नवम्बर १६३८ ई.
४. मनोहरपुर (जयपुर)
५. चिकित्सक, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय
६. प्रेयसी प्रवास (हिन्दी)
७. जागती जोत (कविता)
८ मेघदूत (पद्यानुवाद) कवितांजळि
९. —
१०. वैद्य वृद्धरंजन अज्ञात' ठि. व्रजेश साहित्य सेवा सदन पो मनोहरपुर (जयपुर)
११. चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पो. सानकोटडी (जयपुर)

[१०७]

१. बुलाकीदास देवड़ा 'नादान'
२. बी. ए., सी. लिब.
३. ५. ७. १९५३ ई
४. बीकानेर
५. सरकारी नौकरी
६. —
७. इतवारी पत्रिका, सिंघसिरी, झुणझुणियो, राष्ट्रदूत, सेनानी आद पत्रां में छपी अर आकाशवाणी सूं बोलीजी
८. —
९. सामाजिक कामां में रुचि
१०. जस्सूसर दरवाजे बारै, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[१०८]

१. बैज नाथ पंवार
२. इण्टर मीडिएट, साहित्यरत्न
३. सावण बदी ७, १९८१ वि. (१९२४ई)
४. रतन नगर (चूरू)
५. अवकाश प्राप्त
६. अकल बिना ऊंट उभाणों प्रौढ पोथी (प्रकाशक मोहर सिंह राठोड़, चूरू, मोल २-०० । १९५६ ई
लाडेसर कहाण्यां (राज० सा० अकादमी, ३-०० उदयपुर, १९७१ ई)
नैणां सुदूगो नीर-कहाण्यां (प्रकाशक शिवदान राम प्रहलाद राय, बोहरा पूलासर, ८-००, २०३७ वि०)
७ २-३ हिन्दी स्मारिकावां आद रो संपादन मधुमती, ओळमो, मरुवाणी, हराबळ, जागती जोत, जळमभोम, मरु श्री आद में कहाण्यां, कवितावां, गद्य काव्य एकांकी आद छप्या ।
८. —
९. डालमिया पुरस्कार १९७४ अर पृथ्वीराज राठोड़ पुरस्कार १९८० मिल्या। आकाशवाणी सूं रचनावां प्रसारित । नगर श्री, चूरू, हिन्दी साहित्य संसद, चूरू अर राजस्थानी प्रचारिणी सभा, चूरू सूं संबद्ध । चूरू जिला प्रौढ शिक्षण समिति रा सचिव, चूरू चित्राम रा संपादक, राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी) बीकानेर री कार्य समिति रा सदस्य ।
१० वार्ड संख्या २३, चूरू (राज०)
११. ऊपर मुजब

[१०६]

१. भवरदान कविया
२. बी. ए.
३. ६. २ १६५७ ई.
४. बिराई चारणा री (शेरगढ-जोधपुर)
५. अध्यापन
६. —
७. अभयदूत शुचि, चारण आद पत्रिकावा अर शिक्षा विभाग रा संग्रहां मे लेख, कविता, एकाकी छप्या
८. फुटकर कवितावा, लेख आद
९. काव्य पाठ प्रतियोगितावा मे पुरस्कृत
१० ठि. श्री जगमालदान कविया गाव पो बिराई (चारणा री), मोटल जां रो वास, वाया तिवरी ३४२३०६ (जोधपुर-राज.)
११. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पो. सेखाला (वाया सेतरावा-३४२०२५) जिला जोधपुर (राज)

[११०]

१. भवरलाल खंडेलवाळ
२. एम ए., बी०एड०
३. १५-७-१६३६ ई॰
४. जोधपुर
५. अध्यापन
६. हिन्दी पुस्तक 'फूल बना अंगारा है'
७. प्रेरणा, जनगण, चेरत प्रहरी आद मे रचनावा छपी ।
८. कुण्डलिया सतक, किरण्यां फूटी
९, अन्तर प्रान्तीय कुमार साहित्य परिषद जोधपुर सूं जुडयोड़ा
१०. कागा तीर्थ, जोधपुर (राज०)
११. राज० उच्च प्राथमिक विद्यालय देवातड़ा (भोमाजगढ-जोधपुर)

[१११]

१. भंवरलाल पाण्डेय 'प्रमोद'

२. साहित्य रत्न, कोविद

३. १०-८-१९२४ ई०

४. बिजोलियां (भीलवाडा—राज०)

५. खेती व उद्योग

६. धोला री सही १९७५ ६.००
   रूपां बावळी १९७८ ५.००

७. घणां पत्रां मे रचनावां छपी

८. पथिक रासो, रसभरी (दोनूं प्रेस मे) कोई १५०० नैड़ा छन्द

९. बिजोलिया आन्दोलन के इतिहास की रूपरेखा (१९७२) में छपी

१०. पो. बिजोलिया (भीलवाडा)

११. ऊपर मुजब

[११२]

१. भंवरलाल 'विरागी'

२. संगीत विशारद

३. २-२-१९४८ ई. (लगभग)

४. सरदारशहर

५. संगीत अध्यापक

६. 'बख्त की बात' १९६५ ई. हास्य ३.००

७. —

८. रीत को रायतो, भंवर बत्तीसी

९. —

१०. अमूणा बास, सरदारशहर (चूरू(

११. ऊपर मुजब

[११३]

१. भगवतीलाल व्यास
२. एम ए. (हिन्दी), बी. एड., एम. एड.,
३. १०-७-१६४१ ई०
४ गिलूंड (उदयपुर—राज०)
५. व्याख्याता
६ दो हिन्दी पुस्तकां—'सूरज लीलती घाटियां' अर 'शताब्दी निरुत्तर है'
७ श्रोळमो, हरावळ, हेलो, जागती जोत, जळमभोम आद पत्रिकावां में कवितावां अर समीक्षावा
८. —
९. —
१०. ३२ फतहपुरा खारोल बस्ती उदयपुर (राज०)
११. व्याख्याता, लोकमान्य तिलक टीचर्स कॉलेज, उनोक (उदयपुर)

[११४]

१. भगवानदास किराड़ू 'नवीन'
२. एम. ए., पी. एच. डी
३. १२-६-१६४६ ई०
४. बीकानेर
५. श्रध्यक्ष, हिन्दी विभाग, एन. एस. पी. कालेज, बीकानेर
६. *'बीकानेरी प्रत्यय'* श्रौर *'प्रत्यय श्रौर वाक्य विन्यास'* राम राम सा (कहाणी संग्रै)
७. जागती जोत, शिविरा, विश्वंभरा, चेतना मे रचनावां छपी 'दशकुमार चरित' रो राजस्थानी श्रनुवाद
८. 'विश्रुत चरितम्'—राजस्थानी श्रनुवाद
'मध्यम व्यायोग'—(मंझलो)
'श्रठै सूं बठै—(कहाणी सग्रै)
'कांई कैऊं इया नै'—(निवंध संग्रै)
'मारवाड का श्रभिधान अनुशीलन'—(शोध प्रबंध)
९. —
१०. ठि० प० गिरधरलाल जी किराडू, साले की होली, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

[११५]

१. भाग्यरेखा बोहरा

२. सैकेन्डरी

३. १४-७-१६५५ ई०

४. उदयपुर (राज०)

५. —

६. —

७. जागती जोत ग्राद पत्रिकावां में फुटकर रचनावा छपी

८. समाजवाद, प्रणमणियोमन

६. —

१०. ठि० श्री रामचन्द्र बोहरा, वोहरा बास, निम्बी जोधा (नागौर)

११. ऊपर मुजब

[११६]

१. मानसिंह शेखावत

२. बी. ए.

३. उमर लगभग २७ वरस

४. लछमणगढ़ (सीकर—राज०)

५. पुलिस इन्सपेक्टर

६. हलदीघाटी रो गौरव—साहित्य परिषद—१६८२ लछमणगढ़ ५/-

७. मरवाणी, सपर्णाक्ष ग्रर दूजी पत्रिकावां मे छपी

८. —

६. पुलिस जीवण री रोमांचक कथावां लिखी

१०. ठि० साहित्य परिषद, लछमणगढ़ (सीकर—राज०)

११. सर्किल इन्सपेक्टर, पुलिस, कोटा (राज०)

[११७]

१. भीखालाल व्यास

२. एम. ए., बी. एड.

३. १-७-१९४६ ई.

४. मांडप (बाड़मेर–राज.)

५. अध्यापन

६. —

७. मोळमो, जागती जोत आद मे छापी "चेतै रा चितराम" संकलन में कहाणी छपी।

८. वरदान (कहाण्यां)

९. कई प्रतियोगितावां में पुरस्कृत

१०. पो खण्डप (बाड़मेर-राज.) ३४४०३६

११. सहायक अध्यापक राज. माध्यमिक विद्यालय, अजीत (बाड़मेर-राज)

[११८]

१ भूरचन्द जैन

२ इण्टरमीडिएट

३. १०-७ १९३० ई.

४. सिहाणी (बाड़मेर-राज.)

५. सरकारी सेवा

६. जय सोमनाथ (मरुधर प्रकाशन, बाडमेर,१९७२) बाड़मेर दर्शन (मरुधर प्रकाशन १९७४) परशुराम महादेव (विगवतार प्रकाशन, १९७७ मालो मरुधरा के कविरत्न (शंकर प्रकाशन, बाड़मेर, १९७२ अर दूजी १९ भांत–भांत री पोथ्यां राजस्थानी

७. करीब तीन सौ नेड़ा राजस्थानी नार रै मंडै गैड़ै रचनावां छपी

८ दस पोथ्यां ज्यां में कनाणा का गेर मेळा, हमारा बाडमेर, राजस्थान के जैन तीर्थ अर दूजी सात पोथ्यां है।

९. बाडमेर साहित्य संस्थान अंतर प्रातीय कुमार साहित्य परिषद् अर दूजी अनेक सामाजिक संस्थावां सूं संबद्ध प्रतियोगितावां में पुरस्कृत अर राज सूं योग्यता पुरस्कार प्राप्त।

१०. जूनी चौकी रो बास, बाडमेर (राज.)

११. उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, (प.,क.) कार्यालय बाड़मेर (राज,)

[११६]

१. भोजराज सोलंकी
२. मैट्रिक
३. १. ७. १६४८ ई.
४. श्री डूंगरगढ़ (चूरु-राज.)
५. अध्यापन
६. —
७. जागती जोत, वर्तमान, नवज्योति, युगपक्ष आद पत्रां में छपी
८. 'बिखरया सुर' (कविता संग्रै)
९. सदस्य, राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्री डूंगरगढ़
१०. माडसर वास, श्री डूंगरगढ़ (चूरू-राज.)
११. ऊपर मुजब

[१२०]

१. डॉ. मदन केवलिया
२. एम. ए. (हिन्दी), एम. ए. (अंग्रेजी), बी. एड., साहित्यरत्न पी. एच. डी.
३. १५-१-३५ ई.
४. स्थान-डेरा इलाइलखां (पाकिस्तान)
५. अध्यापन
६. रचनाएं-
   १ सड़क का दिल (कहाणी संग्रह), सूर्य प्रकाशन, बीकानेर १२)-
   २. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र की भूमिका (आलोचना) अनुपम प्रकाशन, जयपुर ३५)
   ३. सम्बंधों के खण्डहर, (नाटक), सहिता प्रकाशन, बीकानेर १२)
   ४. पं. सूर्यकरण पारीक (सम्पादित) निबंधावली, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

   'जीत हमारी है' (काव्य) राजस्थान के कवि (काव्य), राजस्थान के कहानीकार (कहानी संग्रह), निबंध नवनीत (निबंध सग्रह) आद में रचनावा संकलित ।
७. धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, दैनिक हिन्दुस्तान, मधुमती, सारिका, आदि में हिन्दी रचनावां छपी ।
   'जागती जोत आदि में रचनावां छपी । राजस्थानी भाषा साहित्य संगम सूं छापण खातर 'खोल' कहाणी संग्रै स्वीकृत ।
   आकाशवाणी सूं हिन्दी, उर्दू, राजस्थानी में रचनावा प्रसारित ।
८.
   १. राजस्थानी साहित्य अकादमी री सरस्वती अर संचालिका रा भूतपूर्व सदस्य
   २ राजस्थान विश्वविद्यालय (जयपुर) री सीनेट रा भूतपूर्व सदस्य ।
   ३. घणी संस्थावां रा सदस्य अर कार्यकर्ता
९. शोध निर्देशक—
१०. वर्तमान पतो—व्याख्याता डूंगर कॉलिज, बीकानेर
११. डा. मदन केवलिया पार्वती सदन, कोटगेट, बीकानेर-३३४००१

[१२१]

१. मगरचन्द्र दवे

२. एम. ए., बी. एड.

३. १६ ६. १६४८ ई.

४ घरणेराव (पाली-राज.)

५ अध्यापन

६. —

७ शिविरा पत्रिका अर स्थानीय छापां में छपी ।

८. पहला पहला बोल (काव्य)

६. —

१०, घरणेराव (पाली-राज)

११, राज मा. विद्यालय, हरजी (जालोर)

[१२२]

१. मदन सैनी

२. बी. कॉम

३. ३. १. १६५८ ई.

४. श्री डूंगरगढ़ (चूरू-राज.)

५. अध्यापन

६. —

७. *राजस्थली, वर्तमान, विवेक विकास, बात घर आद* में छपी अर आकाशवाणी सूं कविता-पाठ करचो ।

६. राष्ट्र भाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्री डूंगरगढ रा सदस्य

१०. बजरंग आइस फैक्ट्री, श्री डूंगरढ (चूरू-राज) ३३१८०३

११. ऊपर मुजब

[१२३]

१. मनोहर
२. बी. ए.
३. ३-१-१९५२ ई०
४. तोगड़ा (झूंझणूं—राज०)
५. अध्ययन
६. —
७. इतवारी पत्रिका आद में छपी
८. फुटकर रचनावां
९. गायत्री मे पुरस्कृत
१०. पो० तोगडा कला (झूंझणूं—राज०)
११ ऊपर मुजब

[१२४]

१. मनोहरसिंह राठोड़
२. बी. ए.
३. १३-१७-१९४८ ई०
४. गांव पो० तिलाणेस (नागौर)
५. टेक्नीसियन, रिसर्च (तकनीकी) विभाग, केन्द्र सरकार, पिलाणी।
६. —
७. संघशक्ति, नैणसी, जागतीजोत, विणजारो आद में रचनावां छपी
८. कहाणी अर कविता संग्रै
९. —
१०. गांव पो० तिलाणेस (वाया डेगाणा जंक्शन—नागौर—राज०)
११. जी. ५१, सीरी कॉलोनी, पिलाणी (राज०)

[१२५]

१. महावीर प्रसाद जोशी
२ साहित्याचार्य, श्रायुर्वेदाचार्य, साहित्य प्रवीण. काव्यतीर्थ काव्यकलानिधि
३. १६-८-१६१४ ई०
४ डूंडळोद (झुंझणु—राज०)
५. चिकित्सा
६ बिन्द्रावन (काव्य) अर पाच हिन्दी पोथ्यां
७. जागती जोत आद पत्रां मे छपी
८. दूदिया रा दूहा, निनाण (काव्य)
९. नगर पालिका रा अध्यक्ष रैया, मोहता कॉलेज प्रबंध समिति रा उपाध्यक्ष, रजतपदक प्राप्त, राजस्थान साहित्य अकादमी सूं पृथ्वीराज राठौड पुरस्कार सूं सम्मानित
१०. श्री मोहता दातव्य औषधालय, राजगढ़, पो० सादुलपुर—३३१०२३ (चूरू—राज०)
११ ऊपर मुजब

[१२६]

१. महेशकुमार श्रीपत
२ हायर सेकेन्ड्री
३. ११-८-१६५८ ई०
४. जैसलमेर (राज०)
५ सरकारी नोकरी
६ —
७ कवितावां, रेखाचित्र, लेख आद छप्या ।
८ —
९. सदस्य, अन्तर प्रातीय कुमार साहित्य परिषद्
१०. सिंधवी स्ट्रीट, जैसलमेर—३४५००१
११. ऊपर मुजब

[१२७]

१. माणक चन्द नाहर

२. एम. ए.

३. --

४. माइलापुर (मद्रास)

५. व्योपार

६. —

७. मरुवाणी ग्राद पत्रां मे छपी

८. —

९. सभापति, सेठ वख्तावर रिसर्च इन्स्टीट्यूट सभापति, लायन्स क्लब ग्रलन्दुर (३२४ ए. डिस्ट्रक्ट, ३ जान I) १९७७ में वर्ल्ड वेजिटेरियन कांग्रेस (२५ वी) रा संयोजक; भारतीय हिन्दी परिषद् ग्रर दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा रा सदस्य इत्याद ।

१०. १/१२ बाजार रोड़, माइलपुर, मद्रास ६०० ००४

११ ऊपर मुजब

[१२८]

१. मिठ्ठालाल देसरला (काका भीम)

२. साधारण

३. फागण सुदी, १४. १९८२ वि. (१०२५ ई.)

४. भीम उदयपुर

५. व्योपार

६ —

७. पत्र-पत्रिकावां ग्रर 'मिनखाजूण रो मोल' नांव रा संकलन

८. --

९. राजस्थान साहित्य चिंतन परिषद, भीम सूं जुड़ेडा

१०. पो. भीम उदयपुर-राज.

११. ऊपर मुजब

[१२६]

१. मिश्रीलाला पंवार

२. इण्टरमीडिएट

३. १६-१२-१६५१ ई.

४. जोधपुर

५. निजू व्यवसाय

६. रंगीला फागण—हिन्दुस्तान प्रिंटर्स–१६७६-१.२५ संत सिरोमणी पीपाजी पीपा प्रकाशन १६७५ २.००

७. धर्मयुग, इतवारी पत्रिका, राष्ट्रदूत, नवज्योति, हिन्दुस्तान, माधुरी, चंदा मामा, जलते दीप आद अनेक छापां मे हिन्दी राजस्थानी रचनावां छपी।

८. —

६. संवाददाता अर प्रतिनिधि रो काम करै ।

१०. ठि बाबूलाल पवार भिस्तियां रो वास, पटेल चौक, जोधपुर, ३४२००१

११. ऊपर मुजब

[१३०]

१. मीठानाथ—मीठेश 'निर्मोही'

२. बी. कॉम.

३. ३०. ६. ५४ ई.

४. पो राजोला खुर्द वाया सोजत रोड-पाली

५. राज्य सेवा

६. —

७ जागती जोत आद अनेक पत्रा में छपी

८. —

६. —

१०. पो. राजोला खुर्द (वाया सोजतरोड-पाली-राज.)

११ ऊपर मुजब

[१३१]

१. मीठालाल खत्री

२. बी. ए.

३. १३-११-१९४६ ई०

४. सिरोही (राज०)

५. अध्यापन

६. —

७. कवितावां अर कहाण्यां अनेक पत्रां में छपी

८. —

९. अन्तर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद् रा सदस्य

१०. डानीलेण, सिरोही (राज०)

११. राजकीय प्राथमिक विद्यालय मांडवाव, जालोर (राज०)

[१३२]

१. मुकुट मणिराज

२. एम. ए. (हिन्दी)

३. १२-५-१९५५ ई०

४. गांव धनवा (दीगोद—कोटा—राज०)

५. —

६. —

७. पत्र-पत्रिकावां में गीत, गजल, कविता छप्या

८. मोळमो नांव री पोथी

९. प्रचार मंत्री, कचनार, अणहद लोकमंच, प्रंता (कोटा)

१०. पो० धनवा (दीगोद-कोटा)

११. कमरा १७, रघुनाथ छात्रावास, नयापुरा, कोटा (राज०)

[१३७]

१. मोहम्मद सदीक

२. एम. ए. (अंग्रेजी); बी. एड.

३. ११-१-१६३७ ई.

४. चूरू (राज.)

५. प्रधान अध्यापक

६. जूझती जूण (काव्य)

७. जागती जोत अर शिक्षा विभागीय प्रकाशनां में छपी

८. —

६. —

१०. ठि श्री जमालखां भाटी, शंकर भवन रै पीछै, राणी बाजार, बीकानेर-३३४००१

११. ऊपर मुजब

[१३८]

१. मोहन दान बारठ

२. श्री नाथू दान जी बारठ

३. दसवीं पास

४. माहेश्वरी सेवक 'वाणी' ओळमा आदि पत्रिकाओं में

५. व्यापार

६. मोहन दान बारठ भिरजेवाला—(गगानगर)

[१३९]

१. रघुनंदन त्रिवेदी
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १७. १. १९५५
४. जोधपुर
५. राजकीय सेवा
६. —
७. जागती जोत, मरुपंच, मधुमती आद में छपी
८. किरणा (कविता संग्रै)
९. —
१०. चांदपोळ, चौक, जोधपुर (राज.) ३४२००१
११. ऊपर मुजब

[१४०]

१. रघुराजसिंह हाडा
२. एम. ए. बी. एड.
३. ३१. ३. १९३३ ई.
४. गांव चमलासा (खानपुर-झालावाड़)
५ अध्यापन
६. घूघरा—अर्चना प्रकाशन, अजमेर-१९६६ १/—
अणवांच्या आखर " २/५०
हुरदौल " १९७५ १/६०
आमल खीवरा " १९७३ १/५०
फूल देमूला फूल राज. सा. अकादमी १९७६ ६/५०
(हिन्दी री भी चार पोथ्यां छपी है)
७. मरुवाणी आद पत्रां मे कवितावां अर लेख छप्या
८. दो हिन्दी पोथ्यां
९. सदस्य, राजस्थान साहित्य अकादमी रह्या महामंत्री, भवानी रंगमंच, झालावाड़ ।
१०. गांव चमलासा; पो. सायफल तहसील खानपुर (झालावाड़-राज.)
११. हाडा सदन, झालावाड़ (राज)

[१४१]

१ रमेशचन्द्र शर्मा 'इन्दु'
२. बी. ए., बी. एड.
३. २२-६-१६४५ ई०
४ पो० खोह (लक्ष्मणगढ़—अलवर—राज०)
५ अध्यापन
६. —
७ शिक्षा विभागीय प्रकाशनों में छपी
८. 'कँवतां री कहाणियां' (टावरां स्यूं)
६. —
१०. पो० खोह (वाया रौनी नायान—अलवर—राज०)
११. राजकीय उ प्रा विद्यालय, पो. खोह (वाया रौनी नायान-अलवर-राज०)

[१४२]

१. रमेश बोराणा
२ बी ए, एल. एल बी.
३. १०-५-१६४५ ई०
४. जोधपुर
५. समाज सेवा
६. —
७. जागती जोत आद पत्रिकावां में रचनावां छपी है।
८. —
६. राजस्थानी में १०-१२ नाटक मंच पर खेल्या हैं। दीपशिखा नांव री आर्ट सोसाइटी री स्थापना करी है।
१०. बोराणा भवन, जालोरी गेट रैं मांय, जोधपुर—३४२००१
११. ऊपर मुजब

[१४३]

१. रमेश 'मयंक'
२. बी. एस. सी., बी. ए. (अंग्रेजी), बी. एड.
३. २३-१२-१९५४ ई०
४. चित्तौड़गढ़
५. अध्यापन
६. —
७. जागती जोत, मधुमती, ललकार, ओळमो, म्हारोदेस आद छापां में छपी
८. जस (कवितावां) अर हिन्दी री दो पोथ्यां
९. महामंत्री, साहित्य भारती, चित्तौडगढ़, आकासवाणी सूं रचनावां रो प्रसारण
१०. बी. ८, मीरानगर, चित्तौडगढ़ (राज०) ३१२००१
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पो० आरनी (चित्तौड़गढ़—राज०)

[१४४]

१. राघव प्रकाश
२. एम ए. (हिन्दी), डिप्लोमा भाषा विज्ञान;
३. ८-७-१९४७ ई०
४ गांव दीपपुरा (अमवारामगढ—जयपुर)
५. प्राध्यापक, सहरिया महाविद्यालय, कालाडेरा (जयपुर)
६ तीसरो मचाण (नाटक) १९७९ १.५० हिन्दी मे 'तीसरा मचान' अर दूजा कई नाटक लिख'र छपवाया
७. जागती जोत आद पत्रां में छपी
८. 'पाश्चात्य एवं भारतीय साहित्य शास्त्र मे शैली वैज्ञानिक अवधारणायें—एक तुलनात्मक अध्ययन' (शोध प्रबंध)
९. नाटकां मे विशेष रुचि
१० सीताराम जी रै मंदिर रै सामैं, दुर्गापुरा, जयपुर (राज०)
११. ७–सी, महारानी कॉलेज स्टाफ क्वार्टर्स, जयपुर—३०२००४

[१४५]

१. डा० राजकृष्ण दूगड़

२. एम. ए. (हिन्दी, अर्थशास्त्र), एल. एल. बी. साहित्यरत्न, पी. एच. डी.

३. बनेडा (भीलवाडा)

४ १३-७-१९२४ ई०

५. रीडर, हिन्दी विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय

६. 'कविया करणीदान मौर सूरजप्रकाश,प्रभात प्रकाशन,जोधपुर, १९७७-४०/-
कविया करणीदान व्यक्तित्व नैं कृतित्व, प्र. प्र. जोधपुर, १९७९—१०/-

७. जागती जोत, मज्झमिका, मरुभारती म्राद मे निबंध अर म्रालोचनावा छपी

८. राजस्थानी वीर काव्य रो इतिहास

९. —

१०. पो० बगड़ी नगर (पाली—राज०)

११. रीडर, हिन्दी विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर

[१४६]

१. राजेन्द्र वोहरा

२. एम. ए. (राजनीति शास्त्र), बी. एड.

३. —

४. सोजत रोड़ (पाली—राज०)

५. कार्यक्रम अधिकारी, आकाशवाणी, जयपुर

६ —

७. हरावळ, हेलो, जागती जोत म्राद पत्रा मे छपी है ।

८. राजस्थानी कवितावा रो सग्रै

९. —

१०. ६६, पैली पोलो, पावटा, जोधपुर

११. आकाशवाणी, जयपुर

[१४७]

राजेन्द्र राजपुरोहित

एम. ए. (इतिहास)

. १५-७-१९५८ ई०

. सांडण (बाड़मेर—राज०)

. प्रवक्ता, डूंगर कॉलेज, बीकानेर

६. —

७. अनेक पत्रां में रचनावां छपी

८. —

९. राजस्थानी साहित्य अकादमी मूं नवोदित प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त (१९७७)

० साडण (बाड़मेर—राज०)

१. डूंगर कॉलेज, बीकानेर

[१४८]

१. रामकरण 'स्नेही'

२. टी. डी. सी. (प्रथम वर्ष)

३. २-१-१९३५ ई०

४. कोटा (राज०)

५. कनिष्ठ लेखाकार, कलेक्टरेट, कोटा

६. —

७. पचास सेंडी रचनावां अनेक छापां में छपी

८. —

९. भारतेन्दु समिति कोटा रा प्रबंध मंत्री (१९७४–७६)
   सचिव, कवि परिषद् (१९७६–७८)
   सदस्य ,, (१९७८–८०)

१०. नयापुरा साई रोड़ पावर हाउस के पास,चक्की वाला मकान, कोटा(राज०)

११. ऊपर मुजब

[१४६]

१. रामकुमार
२. एम. ए. (अंग्रेजी), पत्रकारिता रो स्नातकोत्तर डिप्लोमा
३. ११-८-१६३८ ई०
४. गांव—हरियाजूण (नागौर—राज०)
५. जनसपर्क अधिकारी, इन्स्ट्रूमेंटेशन लि०, कोटा (राज०)
६. —
७. हिन्दी, राजस्थानी अर अंग्रेजी में देस री अनेक पत्र-पत्रिकावां में लिखै
८. —
६. 'रंगयात्रा' नांव सूं हिन्दी पोथी १६७८ में छपी (१०.००)
सदस्य, राजस्थान ललितकला अकादमी, चामल साहित्य समिति, सप्त-शृंगार, रंगबोध, हिन्दी राज भाषा समिति (इन्स्ट्रूमेंटेशन) आद
१०. ठि० श्री फूलचन्द तिवाड़ी, गांव पो० हरियाजूण वाया कुचामण सिटी (नागौर—राज०)
११. ४३ सी, इन्सट्रूमेंटेशन टाउनशिप, कोटा—३२४००५ (राज०)

[१५०]

१. रामकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'
२. एम ए, पी. एच. डी.
३. ८-११-१६४६ ई०
४. बीकानेर
५. व्याख्याता, हिन्दी विभाग
६. नामपद; क्रियापद; बीकानेरी बोली का भाषा शास्त्रीय अध्ययन; हिन्दी और राजस्थानी भाषा का तुलनात्मक अध्ययन; प्रत्यय और वाक्य विन्यास
७. 'वैचारिकी' पत्रिका में निबंध
८. रोहिड़ै रा फूल (उपन्यास) राजस्थानी का उद्भव और विकास (डी लिट्रो शोध प्रबन्ध), म्हारा गिरधर गोपाल (नाटक)
नैणसी री ख्यात री भाषा शास्त्रीय अध्ययन
गीतांजळी (राजस्थानी अनुवाद)
६. —
१०. व्यास भवन, नत्थूसर गेट रै मांय, बीकानेर
११. ऊपर मुजब

/

[१५१]

१. रामचन्द्रसिंह दहिया
२. मैट्रिक
३. १६-६-१६०८ ई०
४. डीसा कैम्प (गुजरात)
५. सेवा निवृत्त (फौजी सेवा)
६. --
७. आकाशवाणी जोधपुर सूं प्रसारित अर पत्रां में रचनावां छपी
८. —
९ सांस्कृतिक अध्ययन में रुचि
१०. १२२, माघ कोलोनी, भीनमाल (जालोर —राज०)
११ मोदरां स्टेशन, मोदरा (जालोर—राज०)

[१५२]

१. रामजीलाल कल्यानी
२. बी. कॉम; राजस्थानी साहित्य विसारद
३. १२-७-१६४४ ई०
४. बिसाऊ (झूंझणूं—राज०)
५. व्योपार
६. —
७. माहेश्वरी सेवक, जागती जोत आद पत्रां में छपी
८. —
९. मंत्री, तरुण साहित्य परिषद्, बिसाऊ
१०. बिसाऊ (झूंझणूं—राज०)
११. ऊपर मुजब

[१५३]

१. रामनिवास सोनी

२. बी. ए. साहित्य रत्न

३. ३०. ११. १९२२ ई.

४. डीडवाणा (नागौर-राज.)

५. लेखन—सेवा निवृत शिक्षक

६. बापू दोहावली–ललित कला संस्थान-काव्य–१९५९ १/-

डीडवाणा

पर्यायवाची दोहावली	"	"	–१९६० १/-
जीवन शतक	"	"	१९५८ २/-
पद्यमय व्याकरण	"	व्याकरण	१९६० ०/५०
पचास पटाका	"	(हास्य काव्य)	१९७६ २/-

७. प्रेरणा वीणा, नया शिक्षक, धोळमो, प्रजा सेवक आद छापां में कवितावां छपी

८. धरती रा गीत, मतवाळी मीरा (काव्य)

९. —

१०. रामनिवास रूपचंद सोनी बेंगाणी बास, पो. लाडनूं (नागौर)

११. भगतजी की पोळ, पो. मेड़ताशहर (नागौर)

[१५४]

१. रामपाली भाटी (श्रीमती)

२. प्रभाकर, साहित्यरत्न; एम. ए. (हिन्दी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र), बी. एस. टी. सी.

३. ६-६-१९२९ ई.

४. जयपुर

५. साहित्य सेवा

६. चारणाया–रमा प्रकाशन-१९५२ २-०० (बाल कवितावां)

७. धर्मयुग, पराग, सरिता, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, आजकल आद अनेक पत्रां में छपी।

८. कैणावत कोस (१०,००० कैणावतां रो संग्रै) राजस्थानी लोकगीत (४०० गीत)

९. आकाशवाणी सूं कोई ३५० नैड़ी रचनावां प्रसारित

१०. ५६२, भाटी भवन, सादूलसिंह की नाळ, चौकड़ी सरहद जयपुर ३०२००१ ऊपर मुजब

[१५५]

१. डॉ. रामस्वरूप व्यास
२. एम. ए. (हिन्दी); पी. एच डी.
३. —
४. जायल (नागौर)
५. वरिष्ठ अध्यापक
६. स्वातन्त्र्योत्तर राजस्थानी गद्य साहित्य १६७६-५०/—
७. एकांकी, निबंध, कहाण्यां 'श्रोळमो' अर विभागीय संभ्रलनां में छपी।
८. राजस्थानी भासा रा पटारवां एकांकी उद्धव त्रिसत्ती (छंदबद्ध)
६. —
१०. जायल (नागौर-राज.)
११. राजकीय श्रोसवाल उ. मा. विद्यालय श्रजमेर (राज.)

[१५६]

१. रूपसिंह राठोड़
२. बी. ए.
३. १-६-१६४३ ई.
४. मेघाणा श्री गंगानगर-राज.
५. अध्यापन
६. —
७. 'युकियारी' बीकानेर अर शिक्षा विभाग रा संकळनां—'ससाण' अर 'कोरणी कलम री' आद में कविताबां कहाण्यां छपी।
८. फुटकर रचनावां
६. —
१०. विनय कुटीर, मारिया, पो. बासघासीराम वाया मलसीसर (झूंझणूं) ३३१०७५
११. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पो. बास घासीराम (झूंझणूं-राज)

१. डॉ० रामाकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'

२. एम. ए. (संस्कृत) एम. ए. (हिन्दी) एम. ए. (संगीत) पी. एच. डी. डी. लिट् (राजस्थान विश्वविद्यालय से पंजीकृत)

३. ८-११-१९४९ ई०

४. बीकानेर (राज०)

५. अध्यापन (व्याख्याता)

६ १. आधुनिक हिन्दी साहित्य : गणेश शक्ति प्रकाशन(शोध प्रबंध) ३५/–
   २. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक इतिहास : गणेश शक्ति प्रकाशन ३०/–
   ३. नामपद (लघु-शोध-प्रबंध) : ,, १२-५०
   ४. क्रियापद : ,, ,,
   ५. प्रत्यय और वाक्य विन्यास ,, २२-००
   ६ हिन्दी और राजस्थानी का तुलनात्मक अध्ययन राज प्रकाशन (फलोदी) ४०-००
   ७. ये क्षण वेक्षण (कविता संग्रं) गणेश शक्ति प्रकाशन १२-५०
   ८ म्हारा तो गिरधर गोपाल · कामधेनु प्रकाशन १५-००
   (ऐतिहासिक राजस्थानी नाटक)
   ९ बीकानेरी बोली का भाषा शास्त्रीय अध्ययन गणेश शक्ति प्रकाशन २५-००

७. जागती जोत, विश्वंभरा, सेनाणी, चितारणी, पुष्करणा संदेश, वैचारिकी आद मे राजस्थानी हिन्दी कवितावां, कहान्यां, समीक्षावां छपी

८. i. आकाशवाणी सूं अनेक वार्त्तावां प्रसारित
   ii. नाट्य मंचन, लेखक अर निर्देशन
   iii. अनेक समारोहां रो सचालन
   iv. चित्रपट कथा लेखक
   v डूंगर महाविद्यालय सूं सर्वश्रेष्ठ छात्र रो पुरस्कार
   vi. अन्तः विश्वविद्यालयीय कुश्ती, शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम
   vii. १९७० में राजस्थान विश्वविद्यालय शतरंज अर कुश्ती टीमां रा कप्तान

viii. अनेक सामाजिक संस्थावां रा सदस्य

ix. अखिल भारतीय वेद प्रचार महासभा रा मानद अध्यक्ष

६. (i) प्रबंध संपादक जागती जोत
राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी), बीकानेर

(ii) संपादक
कल्पवृक्ष
(राजस्थानी–हिन्दी–अंग्रेजी री त्रैमासिक पत्रिका)

१०. उप सचिव,
राजस्थानी भाषा साहित्य संगम, नागरी भंडार, बीकानेर

११. डॉ. रामकृष्ण व्यास 'महेन्द्र'
व्यास भवन, नत्थूसर गेट के अन्दर, बीकानेर

[१५८]

१. डा० लक्ष्मी कमल

२. एम. ए. (हिन्दी), पी. एच. डी., डिप्लोमा जर्मन भाषा, संगीत विशारद

३. १-७-१९४३ ई०

४ वृन्दावन (मथुरा—उ. प्र.)

५. प्रवक्ता, हिन्दी विभाग, ज्ञान विज्ञान महाविद्यालय, वनस्थली विद्यापीठ (राज०)

६ राजस्थानी लोकगीत विहार-श्री राममेहरा एण्ड कंपनी, आगरा १९७३
भाग १ " १९७२
राजस्थानी गद्य : विकास और प्रकाश-भाग १ इण्डिया बुक हाउस —
वीर सतसई (संपादन) राज. भा. प्र. सभा १९७६
राजस्थानी व्याकरण भाग १ जयपुर
(अनुवाद)

७. राजस्थान भारती, मरुभारती, शोध पत्रिका, वरदा, विश्वंभरा, वैचारिकी, भाषा, जागती जोत आद छापां में लोक साहित्य, भाषा विज्ञान आद पर रचनावां छपी

८. —

९. राजस्थान साहित्य अकादमी री सदस्या रैयी

१०. राधानिवास, वृन्दावन (मथुरा—उ० प्र०)

११. १६, रवीन्द्र निवास, वनस्थली विद्यापीठ (राज०)

[१५६]

१. लूणकरण 'विद्यार्थी'
२. एम. ए. (हिन्दी, संस्कृत); साहित्य रत्न; साहित्यालंकार; प्रभाकर ग्रानर्स
३. १-१-१६२७ ई
४. सरदारशहर (चूरू-राज.)
५. ग्रध्यापन
६. गावड़िये रा गी—वाया सेवा सहत—नि: शुल्क
   महासती नारायणी चाळीसो: कुमकुम प्रकाशन-०-२५
   भवनराज सेन " ०-४०
   बिगुल बालगीत " २-००
७. फुटकर रचनावां ग्रनेक पत्रिकावां मे छपी
८. कुण्डलिया सतसई; दहेज री ज्वाळा मे एकाकी; देशद्रोही नाटक
९. हिन्दी विद्यापीठ ग्रर साहित्य समिति रा संस्थापक
१०. सरदारशहर चूरू-राज.
११ ऊपर मुजब

[१६०]

१. लक्ष्मी नारायण रंगा
२. एम ए. हिन्दी
३. ४ फरवरी १६३४-बीकानेर
४. मुख्य ग्रनुवादक (प्रकाशन) भाषा विभाग राजस्थान, जयपुर
५. १. एक घर अपना नाटक, २. रक्तबीज नाटक ३. संस्कृति कला ग्रौर नाटक, ४. तोड़ डालो ये जजीरे नाटक ५ हम नही बचेंगे कहानियां हम नही छोड़ेंगे-कहानिया, ७. दहेज का दान कहानिया, ८. टमरक टूं–राजस्थानी बाल कथाएं ९. हरिया सूवांटया राजस्थानी भासा माय काव्यां प्रकाशन १६८१ मे प्रकाशक-राजस्थान प्रकाशन जयपुर
   पनीन " "
   मरघर " "
   ग्ररिहन्त " "
६. अखिल भारतीय स्तर की पत्र पत्रिकाम्रो ग्राकाशवाणी जयपुर से राजस्थानी व हिन्दी मे नाटक, कहानी, कविता तथा वार्ता प्रकाशन-प्रसारण
७ रगमच का २५ वर्ष का जुडाव तथा बाल रंगमच पर विशेष काम
८. डी १७७ ए, मगुमार्ग पारीक कालेज के सामने, कान्तिचन्द रोड, बनीपार्क जयपुर

[१६१]

१. वासु आचार्य

२. एम. ए., बी. एड.

३. ११. १. १६४४ ई.

४. बीकानेर

५. अध्यापन

६. —

७. जागती जोत, मधुमती अर दूजां पत्रां मे छपी

८. —

९. —

१० वाहेती चौक, बीकानेर

११. ऊपर मुजब

[१६२]

१. विक्रमसिंह गुन्दोज

२. एम. ए. बी एड.

३. ११. ४. १६५४ ई.

४. गुन्दोज (माली)

५. सर्वेक्षक राजस्थानी शोध संस्थान. चौपासनी (जोधपुर)

६ —

७ संघशक्ति, परम्परा, मरुभामिका, जलतेदीप, राजस्थान पत्रिका, शिविरा आद पत्रां मे छपी

८. माढ़ा रा मणका

९ आकाशवाणी सूं वार्तावां प्रसारित करै

१०. गांव पो. गुन्दोज (पाली-राज.)

११. सर्वेक्षक, राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर (रा

[१६३]

१. विजय सिंह लोढा

२. एम. ए., बी. एड.; धर्मरत्न; आर. डी. एस. (लंदन)

३. १. ७. १९३८ ई.

४. निम्बाहेड़ा (चित्तोड़-राज.)

५. अध्यापन

६. गांधी दर्शन और शिक्षा पर हिन्दी में पोथी लिखी

७. शिक्षा विभागीय प्रकाशनां में हास्य रचनावां अर टाबरां रा छापां में रचनावां छपी।

८. —

९. जिलास्तरीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त फोटोग्राफी मे रुचि

१०. अजन्ता स्टूडियो, निम्बाहेड़ा (चित्तोड़) ३१२००१

११. राजकीय उ. मा. विद्यालय, निम्बाहेड़ा (चित्तोड-राज.)

[१६४]

१. विद्यासागर शर्मा

२. एम. ए ; एल. एल. बी.; साहित्यरत्न; रूसी भासा में सर्टिफिकेट

३. ३. १२. १९४२ ई.

४ संगरिया (श्री गंगानगर-राज.)

५. व्याख्यात, राजनीति शास्त्र, राजकीय महाविद्यालय, श्री गंगानगर

६ —

७. ओळमो, जागती जोत आद में छपी

८. कवितावां रो संग्रै

९. अध्यक्ष, साहित्य परिषद्, श्री गंगानगर

१०. शास्त्रीसदन, संगरिया (श्री गंगानगर)

११. १, के ब्लॉक, श्री गगानगर (राज.)

[१६५]

१. विनोद कुमार कोठारी

२. हायर सैकेन्डरी

३. १९-१२-१०६१ ई.

४. सादुळपुर

५. अध्ययन

६. —

७. जागती जोत आद छापां में छपी

८. —

९. —

१०. कुंदनमल हनुमान मल कोठारी. सादुलपुर (चूरू) ३३१०२३

११. मोहता कॉलेज, सादुलपुर (चूरू)

[१६६]

१. विष्णुलाल भट्ट

२. एम. ए (हिन्दी, अर्थ शास्त्र); साहित्य विशारद;
पत्रकारिता में डिप्लोमा

३. १०. १०. १९४१ ई.

४. सीतामाऊ (मालवा-म. प्रदेश)

५. उद्घोषक, आकाशवाणी, उदयपुर (राज.)

६. —

७. कई पत्रिकावां में लेख, कहाणी आद छप्या

८. फुटकर

९ आकाशवाणी सूं कहाणी, वार्ता रो प्रकाशन

१० ४५६, भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

११. ऊपर मुजब

[१६७]

१. शंकरलाल सहल
२. एम. ए. (हिन्दी), बी. एड., पत्रकारिता में पोस्टग्रेज्युएट डिप्लोमा
३. २-१२-१९३८ ई०
४. नवलगढ (झूंझनू)
५. अध्यापन
६. —
७. राजस्थान पत्रिका, नवज्योति आद पत्रिकावां मे रचनावां छपी
८. 'बागां रो माळी' (काव्य) अर दो हिन्दी पोथियां
९. प्रचार मंत्री, 'सांस्कृतिक संवर्द्धन', नवलगढ
१०. 'जलता वियतनाम' नाव री हिन्दी पोथी री वियतनामी भाषा में अनुवाद अर वियतनामी समाचार पत्रां मे प्रकाशन सहल सदन, नवलगढ़ (झूंझनूं—राज०)
११. ऊपर मुजब

[१६८]

१. श्रीमती शकुंतला 'रेणु'
२ एम ए., बी. एड., साहित्यरत्न
३. २४-६-१९२१ ई०
४. झालरापाटन (झालावाड—राज०)
५. सेवानिवृत अध्यापिका
६. साहित्य प्रारंभिका (गुजराती साहित्य रो इतिहास), सती सीता, आश्रम ज्योति, उत्तर की दीवार. रामराज्य, वेद स्तुति आद पोथ्यां हिन्दी मे छपी
७. जागती जोत (राजस्थानी) अर हिन्दी री वीणा, सरस्वती, विशाल भारत, वैश्वानर आद पत्रिकावा मे छपी।
८. 'झुटमुट' नावरी कहाणी संग्रै अर एकदर्जन दूजी हिन्दी कवितावां, गीतिकाव्य, अनुवाद आद री पोथ्यां
९. भारतेन्दु समिति कोटा अर दूजी कई साहित्यिक संस्थावां सूं संबद्ध। राजस्थान साहित्य अकादमी सूं सक्रिय सहयोग राशि प्राप्त
१०. नवरत्न सरस्वती सदन, झालरापाटण (झालावाड़—राज०)
११. ऊपर मुजब

4 /

[१६९]

१. श्रीमती शान्ता भानावत

२. एम. ए. (हिन्दी), पी. एच. डी.

३. ६-३-१६३६ ई०

४. छोटी सादड़ी (राज०)

५. प्रिंसिपल, श्री वीर बालिका महाविद्यालय, जयपुर

६. महावीर री ओळखाण — अनुपम प्रकाशन १६७५ — ५.००
हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृतियां और कृतिकार — अनुपम प्रकाशन १६६६ — १५.००

७. जागती जोत, जिनवाणी, श्रमणोपासक आद पत्रिकावां में कहाण्यां अर निबंध छप्या।

८. एक राजस्थानी कहाणी संग्रं

९. ढोला मारू रा दूहा का अर्थ वैज्ञानिक अध्ययन सदस्य, संपादक मंडल, जिनवाणी अर श्रमणोपासक, रेडियो सूं राजस्थानी कहाण्यां प्रसारित

१०. ठि० डा० नरेन्द्र भानावत, सी २३५ ए. दयानंद मार्ग, तिलक नगर जयपुर—३०२००४

११. ऊपर मुजब

[१७०]

१. श्रीमती शांतिदेवी राधागोपाल जी पंड्या 'साधिका'

२. विशारद

३. आसाढ़ वदी १, संवत् १६७१ वि० (१६१४ ई०)

४. झालरा पाटन (झालावाड़)

५. अवकाश प्राप्त अध्यापिका

६. —

७ बीकानेर शिक्षा विभाग रा संग्रहां में अर दूजी कई पत्र-पत्रिकावां में

८. ७०० नेड़ा राजस्थानी भजन अर कवितावां ज्यां में सूं कई व्रज अर हिन्दी रा भी है।

९. —

१०. जनजीत महादेव रै सामै, पंड्या भवन, नाहरगढ़ रोड, जयपुर (राज०)

११. ऊपर मुजब

[१७१]

१. कुमारी शारदा एच. भटनागर

२. एम. ए, बी. एड., संगीत भास्कर

३. ११-७-१९४४ ई०

४. बीकानेर

५. अध्यापन

६. —

७. जागती जोत, संगीत, राजस्थान भारती आद पत्रां मे छपी

८. टाबरां री बातां; गांवां रो संगीत

९. नृत्य नाट्य अर संगीत में विसेस रुचि

१०. ठि० डा० एच. पी. भटनागर, पारखां रो चौक, बीकानेर (राज०)

११. ऊपर मुजब

[१७२]

१. शिव 'मृदुल'

२. एम ए., (अर्थ शास्त्र, अंग्रेजी); बी. एड.

३. १३-७-१९४१ ई०

४. चित्तौड़गढ (राज०)

५. अध्यापन

६. —

७. ललकार, मधुमती, ओळमो आद पत्रां में अर 'बागा रा फूल' आद संकळना में छपी।

८. 'बरात रो नूतो' अर पांच हिन्दी री काव्य, कहाणी री पोथ्यां

९. महामंत्री. साहित्य भारती, चित्तौड़गढ अर आकाशवाणी सूं रचनावां रा प्रसारक

१०. बी. ८, मीरा नगर, चित्तौड़गढ़ (राज०)

११. राजकीय उ. मा. विद्यालय, चित्तौड़गढ (राज०)

[१७३]

१. श्याम लाटा
२. बी. कॉम., बी. एड.
३. ३०-५-१९५६ ई०
४. सरदारशहर (चूरू—राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. राष्ट्रदूत, श्रमणोपासक, सरिता आद पत्रां में छपी—लघुकथावां, कवितावां लिखै
८. 'राखी पूनम' कहाण्यां
९. —
१०. मथूणो बाजार, सरदारशहर (चूरू)
११. ऊपर मुजब

[१७४]

१. श्यामसुन्दर भारती
२. स्नातक अर डिप्लोमा (शारीरिक शिक्षा)
३. १०-६-१९५० ई०
४. उदयपुर (राज०)
५. प्रवक्ता, शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, जोधपुर
६. —
७. अपरंच, हरावळ, हेलो, जागती जोत आद में छपी
८. बायरो (कवितावां), पतूरो (कहाण्यां), भंवरको (उपन्यास), सौ गजलां, मुक्तक अर रुबायां
९. हिन्दी अर उर्दू में दो पोथ्यां छपी (दर्द भरी गजलें १९७१; शारीरिक शिक्षा शैक्षिक मनो विज्ञान एवं सिद्धांत १९८०)
१०. फतेहसागर, जोधपुर–१६
११. ऊपर मुजब

[१७५]

१. डा० श्यामा श्रीमाळी
२ एम ए. (हिन्दी), पी. एच. डी.
३. २४-३-१९३६ ई०
४ उदयपुर (राज०)
५. अध्यापन
६ —
७. वरदा, विश्वंभरा, शोध पत्रिका, लोकनिधि, जागती जोत, रंगायन आद पत्रिकावां में छपी ,
८. 'पद्मिनी विषयक साहित्यिक कृतियां श्रौर उनका अध्ययन' (शोधप्रबंध)
९. —
१०. विशाल री घाटी, ऊटा रो कारखानो, भटियाणी चोहटो, उदयपुर (राज०)
११. राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, देवगढ़ मदारिया (उदयपुर-राज०)

[१७६]

१. श्री गोपाल जैन
२. एम. ए. (दर्शन), साहित्य रत्न
३. आसोज वदी १३, सं० १९८६ वि० (१९२९ ई०)
४. लछमणगढ़ (सीकर—राज०)
५. समाज सेवा
६. —
७. जागती जोत, अंतराल आद पत्रां मे
८. 'अणदेख्या सपना' (कवितावां)
९. 'अंतराल' अर 'क्रांति अर श्रौर निर्माण' नांव रा पत्रां रो संपादन, उच्च अध्ययन अनुसंधान, जयपुर सूं जुड़ेड़ा
१०. लछमणगढ़ (सीकर)
११. ऊपर मुजब

[१७७]

१. संतोष पारीक
२. बी. ए.
३. १५-८-१९४८ ई०
४. बीकानेर
५ अध्यापन
६. —
७. कुरजां, मोळमो, राजस्थली नीर, जागतीजोत, मलकार, वर्तमान, आद पत्रांमें छपी।
८. 'गिलगिली' (हास्य रेखाचित्र)
९. —
१० ३, रामलाल जाट क्वार्टर, स्टेडियम रोड, बीकानेर (राज०)
११ राजकीय प्राथमिक विद्यालय, नवलसागर कुआ, बीकानेर

[१७८]

१. सत्तार मोहम्मद कासम खां 'सुमन'
२. एम. ए. (हिन्दी)
३. १२-१-१९५२ ई०
४ ढालोप (देसूरी–पाली–राज०)
५. अहमदाबाद म्यूनिसिपल ट्रांसपोर्ट सेवा मे
६ —
७. साप्ताहिक हिन्दुस्तान, सुधाबिन्दु, विवेक विकास आद पत्रिकावां में हिन्दी–राजस्थानी रचनावां छपी।
८. फुटकर रचनावां
९. प्रतियोगितावां मे पुरस्कृत
१०. ठि. नाथुजी, मनी मास्टर का डेला, नागौरी वाड, शाहपुर, अहमदाबाद–३८०००१
११. ऊपर मुजब

[१७६]

१. सलीम शेख
२. बी. ए.
३. २१-१२-१६५८ ई०
४. गांव मेवड़ा (नागौर–राज०)
५. फोटोग्राफी
६. —
७. राजस्थानी री फुटकर रचनावां हिन्दी पत्रां मे छपी।
८. कविता सर्ग
६. —
१०. ५६/५ सोमाजी की चाली, चमनपुरा, अहमदाबाद—६
११ ऊपर मुजब

[१८०]

१. सत्यनारायण इन्दोरिया
२. एम. ए. (इतिहास); बी. एड., शास्त्री; आयुर्वेदरत्न
३. १३-३-१६४२ ई०
४. रतनगढ (चुरू–राज०)
५. अध्यापन
६. —
७. कविता लेख आद पत्रां मे छप्या
८. गुलाबीगीत (कवितावां); बोरा रा मोल (कहाण्यां)
६. —
१०. इन्दोरिया भवन, रतनगढ-३३१०२२ (चूरू-राज०)
११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मुलोड़ी (वाया रतनगढ़–चुरू)

'00 /

६

[१८१]

१. सवाईसिंघ शेखावत

२. एम, ए. (हिन्दी)

३. संवत २००३ (१९४६ ई०)

४. गाव ललाणां (जयपुर)

५ अध्यापन

६. —

७ 'अंतस रा आखर' नांव री पोथी,आगती जोत अर दूजी पत्रिका में कवितावां छपी।

८. 'आखर-आखर-आखर-दरद'

९. हिन्दी में वेसी लिख्यो

१०. गांव पो० ललाणो (जामटा-जयपुर)

११. उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदयपुरवाडो (झूंझनूं)

[१८२]

१. सांवरमल दायमा

२. एम. ए. (अंग्रेजी)

३. २५-५-१९३७ ई०

४. रामगढ़ शेखावटी (सीकर-राज०)

५. व्याख्यात, तोदी कालेज, लछमणगढ़ (सीकर-राज०)

६. —

७. कई पत्रां में कवितावां (कागज, गिन्दड़, सांचोसावण, झाले री बलिदान, पमाण याद)

८. —

९. —

१०. तोदी कॉलेज, लछमणगढ़ (सीकर-राज०)

११. ऊपर मुजब

[१८३]

१. सावित्री व्यास

२. दसवी, संगीतभूषण (गायन)

३. ३-२.१६३६ ई०

४. झालावाड़ (राजस्थान)

५. घट्टू

६. —

७. आकाशवाणी सूं रचनाग्रां रों प्रसारण, कई पत्र-पत्रिकावां मे भी छपी।

८. —

९. —

१०. गोवर्द्धन सदन, रामपुरा, कोटा (राज०)

११. ऊपर मुजब

[१८४]

१. सीताराम सोनी

२. बी. ए.

३. १०-८-१६५५ ई०

४. कोलिदा (नागोर)

५. अध्यापन

६. —

७. जागती जोत में कविता अर राष्ट्रदूत आद पत्रां में यिन्दी रचनावां

८. —

९. —

१०. पो० कोलिया (नागोर) ३४१३०५

११. ऊपर मुजब

[१८५]

१. सुरेश पारीक 'ससिकर'

२. एम. ए. (हिन्दी)

३. ६-१२-१९४९ ई०

४. बड़ली (विजयनगर—अजमेर)

५. अध्यापन

६. हिन्दी मे 'एक भारत एक इंदिरा' अर 'कुछ मोती कुछ सीप' नांव री पोथ्यां छपी

७. जागती जोत, म्हारोदेस आद पत्रां अर शिक्षा विभाग री 'लखाण' पोथी मे रचनावां छपी

८. फुटकर रचनावां

९. —

१०. कवि कुटीर, केकड़ी रोड (विजयनगर—अजमेर)

११. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, हुरडा (भीलवाड़ा—राज०)

[१८६]

१. श्रीमती डा० सुशीला गुप्ता

२. एम. ए. (हिन्दी), पी. एच. डी., प्रभाकर

३. —

४. मुजफ्फरनगर (उ. प्र.)

५. शोध सहायक, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर

६. —

७. कुरजां, वैचारिकी, जागती-जोत, मरुभारती, रंगायन, सुधा बिन्दु आद छापां मे शोधलेख, कहाणी, निबंध आद छप्या।

८. 'राजस्थानी लोक महाभारत का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन'

९. लोक गीतां रै सांस्कृतिक अध्ययन मे रुचि

१०. भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान रतन बिहारी पार्क, बीकानेर

११. ऊपर मुजब

[१८७]

१. हणवंतसिंह देवड़ा
२ हाई स्कूल, साहित्य रत्न
३. २६-८-१९२८ ई०
४. गांव पो० राणीवाड़ा खुर्द (भीनमाल—जालोर—राज०)
५. प्रोड्यूसर, आकाशवाणी, जोधपुर
६. डिंगळ साहित्य में नारी — गुप्ता बुकएजेंसी दिल्ली १९५५
डिंगल मे सिणगार — ,, १९५६
दिवंगत बापू — देलवाड़ा सा. प्रकाशन, उदयपुर १९५०
प्राचीन राजस्थानी गीत (भाग ३.५) — राजस्थान विद्यापीठ,उदयपुर १९५६
स्वतंत्र भारत रा फाग गीत — मोहन प्रकाशन, उदयपुर १९५४
विखरचोडा गीत — राजा कल्याणसिंह जी, भिणाय —
सूरा देवा देस रा — राजस्थानी प्रकाशन, जयपुर १९६४
७. मरुवाणी आद अनेक पत्रां मे घणी रचनावां छपी
८. सुरसत शतक; म्रां सूं मिळियो; ठावी ठौड़; जुग रा जूंझार
९. कुरान री एक हजार आयतां रो अनुवाद । आकाशवाणी 'पर बरसां सूं राजस्थानी भाषा अर साहित्य रा कार्यक्रम करावै
१०. १३१/२१ देवड़ा मेनशन, दुर्गादास नगर, पावटा सी रोड, जोधपुर
११. प्रोड्यूसर, आकाशवाणी, जोधपुर

[१८८]

१. हनुमानप्रसाद वोहरा 'मान'
२. बी. ए, बी एड.
३. १४-८-१९४८ ई०
४. टोंक (राजस्थान)
५. अध्यापन
६. —
७. शिक्षा विभाग रा संकळनां अर सरिता, कादम्बिनी, योजना, स्थिति, राष्ट्रदूत आद पत्रों में छपी
८. दो उपन्यास, कविता सग्रै अर सुधाकर शब्द सागर नाव री पोथ्यां
९. 'मानजी' नांव सूं लोक भजन अर लोकगीत लिखै ।
१०. पालूको का मोहल्ला, पुराणी टोंक (राज०)
११. ऊपर मुजब

[१८६]

१.* हनुमान प्रसाद भोजक
२. ग्रेज्युएट
३. २२-११-१९२६ ई०
४. सरदारशहर (चूरू—राज०)
५. फोटोग्राफर अर चित्रकारी
६. —
७. संगीत अर नाट्य संबधी रचनावां छपी
८. धूंद गुलगी; चुनाव रो चक्कर; लाडेसर री सगाई; निक्को जोगां टिगर, छापो पड़ग्यो; तीन तिलाक; सेठ सुभारचन्द; मतलब री मनवार; पढ़िया मांगे भीख; सेठ सासरै गया; पड़ेसरी, प.दड़पंच; रामारोळ आद हास्य एकांकी अर नाटक
९. संगीत भारती, बीकानेर सूं 'नाटयश्री रो सम्मान मिल्यो।
१०. कला कुंज, सरदारशहर (चूरू—राज०)
११. ऊपर मुजब

[१९०]

१. हनुमान सहाय गुप्ता 'गड़बड़'
२. बी. ए., बी. एड.
३. १२-१०-१९२८ ई०
४. गांव-गुराणा, पो० मोरा साखलानी (जयपुर)
५. अध्यापन
६. —
७. 'मंगळ मिलन' आद पत्रां में छपी
८. फुटकर रचनावां
९. —
१०. गांव गुराणा, पो० मोरा साखलानी (जयपुर—राज०)
११. राजकीय उ. प्रा. विद्यालय, डूंगी श्यामसोदा (जयपुर)

१. हिमांशु पी० दलाल 'जौली'

२. द्वितीय वर्ष पोलीटेक्निक

३. ४-४-६३ जन्म तिथि

४. आस्था का संघर्ष गाडोदिया प्रकाशन, बीकानेर

५. २ फरवरी १६८०

६. स्वतन्त्रता संग्राम मे युवकों का योगदान

७. १०/- मोल

८ एक पुस्तक 'गुरु दक्षिणा' 'पराग प्रकाशन, नई दिल्ली से छप रही है।' लगभग छप चुकी है।

६. नगिन निवास, रंगपुर रोड, कोटा—२—३२४००२

१०. हिमांशु पी० दलाल 'जैली' S/o श्री पुष्पकान्त एस० दलाल

११. सचिव-मा० शि० बोर्ड, सेन्ट्रल बोर्ड ऑफिस भवन, टोडरमल मार्ग अजमेर—३०५००१

परिशिस्ट

इण सूची में वां साहित्यकारां रा नांव दिया हैं ज्यां री जाणकारी कोई कारण सूं इण कोस मे भेळी नीं हो पाई ।

—संपादक

सर्वश्री

१. अक्षयचन्द्र शर्मा, कलकत्ता
२. अमरसिंह, राजगढ
३. अर्जुनदेव चारण, मथानिया (जोधपुर)
४ अरविंद ओझा, बीकानेर
५. आत्माराम, बंबई
६. आशा शर्मा
७. ईश्वरानंद शर्मा, बीकानेर
८. उम्मेदसिंह, मेड़ता
९. उषा शर्मा
१०. ओम अरोड़ा
११ ओम केवलिया, बीकानेर
१२. ओम थानवी
१३. ओमदत्त शास्त्री
१४. कल्पना शर्मा
१५. कासी प्रसाद कुंतल
१६. अ. कृष्ण काल्पित
१६. ब. कृष्ण शंकर पारीक, बीकानेर
१७. डा० कृष्ण मोबनोत, जोधपुर
१८ खीमराज प्रदीप
१९. खीमराज बारठ
२०. खेताराम
२१. गणपतलाल
२२. गोकल 'चन्दुन'
२३. गोपाल राजस्थानी
२४. गोपीराम

५९. ब्रजलाल स्वामी
६०. भंवर जानेवा
६१. भंवर भादाणी, बीकानेर
६२. भंवर हाडा
६३. भंवरलाल जोशी, अजमेर
६४. भगराज चौधरी
६५. भवानीशंकर व्यास, बीकानेर
६६. भागीरथसिंह 'भाग्य'
६७. भानुप्रभा शर्मा, उदयपुर
६८. भैरवदेव वशिष्ट
६९. मधुसूदन शर्मा, भीलवाड़ा
७०. मनमोहन स्वरूप माथुर, नावल (हरियाणा)
७१. महावीर प्रसाद हलवाई, अहमदाबाद (गुजरात)
७२. महावीर गौड़, बंबई
७३. मिरचूमल भादाणी, जोधपुर
७४. मुरली रांकावत, रतनगढ़
७५. डा० मुरारि शर्मा, बीकानेर
७६. मेघराज 'मुकुल', जयपुर
७७. मेघराज शर्मा
७८. मोहनलाल कवि, जयपुर
७९. मोहन पुरोहित 'त्यागी'
८०. मोहन सोनी
८१. योगेन्द्र दवे
८२. रतन राहगीर
८३. राकेश राजस्थानी
८४. अ. राजकुमारी पारीक, बीकानेर
८४. ब. राजेन्द्रप्रसाद माथुर, बीकानेर
८५. राधाकृष्ण गोयल
८६. राधाकृष्ण शर्मा, जोधपुर
८७. राधेश्याम, नेत्रू
८८. रामकृष्ण शर्मा, कोटा
८९. रामधारी 'व्यथित', पिलाणी
९०. रामप्रसाद शर्मा, बीकानेर
९१. रामेश्वर व्यास

९२. रामेश्वरसिंह राजपुरोहित
९३ लक्ष्मीनारायण जोशी, आशाहोली
९४. लक्ष्मी नारायण रंगा, बीकानेर
९५. लालदास राकेश, जालोर
९६ विक्रमसिंह सोलंकी, कोटा
९७. विद्यासागर शर्मा, गंगानगर
९८ वल्लभेश दिवाकर, बीकानेर
९९. विश्वनाथ शर्मा. खेतड़ीनगर
१००. विश्वेश्वर शर्मा, उदयपुर
१०१. विष्णुदत्त, सांचोर
१०२, शंभू मेहड़
१०३. शारदा भटनागर, बीकानेर
१०४ शिव देहाती, बीकानेर
१०५. शिवशंकर नारायण जोशी, बीकानेर
१०६ डा० शिवस्वरूप शर्मा 'अचल'
१०७, शिवेन्द्र सुमन. जयपुर
१०८ श्री वल्लभ
१०९. श्याम कृष्ण
११०. श्याम मेवाड़ी
१११. श्यामलाल कलावटिया, राजगढ (सीकर)
११२. संतोष पडित, बीकानेर
११३. सज्जनसिंह शेखावत
११४. सनत्कुमार स्वामी, बीकानेर
११५. सरल 'विशारद', बीकानेर
११६. सरोज शर्मा, वनस्थली विद्यापीठ
११७. सावळदान आशिया, उदयपुर
११८. सीताराम पारीक, जयपुर
११९ सुधा शर्मा. बीकानेर
१२०. सोहन जोशी
१२१. सोहन डागा
१२२. डा० स्वर्णलता अग्रवाळ, बीकानेर
१२३. हंसराज अनुरागी
१२४. रमन चौहान, बबई
१२५. हरिवल्लभ हरि, कोटा
१२६. हरीन्दु चौधरी. बीकानेर
१२७. हरीश भादाणी, बीकानेर